"दूसरों पर आरोप लगाने से पहले, स्वयं को परखना चाहिए।"

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

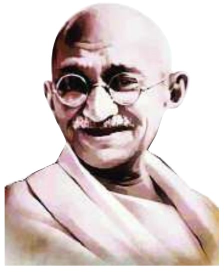

राष्ट्रपिता को नमन...

dainikindoresanket24@gmail.com | इंदौर, गुरुवार 09 अक्टूबर 2025 | ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 282 ■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

2 वसुधैव कुटुम्बकम भारत की परम्परा रही है - परमार

5 वूमंस वर्ल्ड कप - आज जीत की हैट्रिक को उतरेगा भारत

6 भगवानों की मूर्तियों पर थूकने से भड़के बजरंगी

दो साल पहले भी इंदौर की रीमैन लैब का सिरप हुआ था बैन

अफसरों की मेहरबानी, निलंबित लायसेंस को फिर से दी अनुमति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश का औषधि प्रशासन विभाग का अमला कितना सुस्त, लापरवाह और नाकारा है, ये छिंदवाड़ा में कफ सिरप से हुई 23 बच्चों की मौतों के मामले से साफ हो गया है। इस विभाग की लापरवाही का ये कोई पहला मामला नहीं है, दो साल पहले भी कफ सिरप 'नेचर कोल्ड' की वजह से मध्य प्रदेश की इंटरनेशनल बेइज्जती हुई थी।

ये कफ सिरप इंदौर की सांवेर रोड स्थित रीमैन लैब्स में बनाया गया था और इसकी वजह से मध्य अफ्रीका के कैमरून शहर में 12 बच्चों की मौत हो गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार से इस पर कार्रवाई के लिए कहा था। द सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) की टीम ने इंदौर की रीमैन लैब्स को सील कर ड्रग लाइसेंस निलंबित कर दिया था।

स्टेट और सेंट्रल लैब कोलकाता से सैंपल फेल होने के बावजूद मध्यप्रदेश के खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग ने लैब पर कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि उसी लाइसेंस पर इंदौर में दूसरी जगह फैक्ट्री खुल गई। अफसरों ने दो साल तक इस मामले को दबाया। अब छिंदवाड़ा में 23 बच्चों की मौत के बाद आनन फानन में 8 अक्टूबर को रीमैन लैब्स के खिलाफ कोर्ट में केस दायर कराया गया था।

संचालक ने उसी लाइसेंस पर दूसरी फैक्ट्री खोल ली-इस पूरे मामले में अफसरों की भूमिका सवालों के घेरे में है। नियम के मुताबिक, इस मामले में दवा बनाने वाली लैब के संचालक के खिलाफ एफआईआर और कोर्ट में केस दायर होना चाहिए था मगर, इंदौर के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने फाइल दबा दी।

इतना ही नहीं, सांवेर रोड की फैक्ट्री सील होने के बाद फैक्ट्री संचालक ने साल भर के भीतर इसी रीमैन लैब्स नाम से ही 175/2/3, मुंडला दोस्दार, कंपेल रोड पर दूसरी फैक्ट्री शुरू कर दी। इसका लाइसेंस नंबर वही 28/8/91 था, जो पहले निलंबित कर दिया गया था।

डब्ल्यूएचओ के अलर्ट के बाद फैक्ट्री सील

ब्ल्यूएचओ की सूचना के बाद भारत सरकार के सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन की टीम इंदौर के सांवेर रोड पर चल रही रीमैन लैब्स पर पहुंची। टीम ने यहां से कफ सिरप के सैंपल लिए गए। उन्हें भोपाल की राज्य स्तरीय लैब में जांच के लिए भेजा। यहां दवा के सैंपल फेल हो गए। रीमैन लैब्स की तरफ से इस जांच को चुनौती दी गई। सैंपल फिर से जांच के लिए कोलकाता की सेंट्रल ड्रग लैब भेज दिए गए। यहां भी जांच में दवा में घातक रसायन डायएथिलिन ग्लायकॉल की मात्रा 26 प्रतिशत से ज्यादा मिली। डब्ल्यूएचओ के मानक के अनुसार डीईजी की मात्रा 0.10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

अफसरों की गड़बड़ी की शिकायत भोपाल पहुंची

ये सवाल भी उठा कि लैब को इतनी जल्दी दूसरी जगह पर फैक्ट्री का लाइसेंस कैसे मिल गया? तो ड्रग लाइसेंसी अथॉरिटी के मनमोहन मोलासरिया ने कहा कि फैक्ट्री को लाइसेंस नई शर्तों पर दिया गया है। वहीं, फैक्ट्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होने से भी अफसरों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न भी लगे। फैक्ट्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होने की शिकायत इसी साल जून के महीने में भोपाल पहुंची। इसके बाद 30 जुलाई 2025 को प्रदेश के तत्कालीन ड्रग कंट्रोलर दिनेश मौर्य ने इंदौर के वरिष्ठ औषधि नियंत्रक राजेश जीनवाल को लिखित निर्देश दिया कि दवा बनाने वाली कंपनी रीमैन लैब्स के खिलाफ कोर्ट में केस दर्ज कराएं।

ब्रेकिंग न्यूज

- आज महाराष्ट्र दौरे पर जाएंगे मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव, कई कार्यक्रम में लेंगे भाग
- सत्ता में आते ही पीडीए के संत और समाज को भूल जाती है सपा - मायावती
- तेलंगाना सरकार ने रेलाइफ और रेस्पिफ्रेश टीआर सिरप किया बैन
- बरेली : एक लाख के इनामी बदमाश इफ्तिखार को यूपी पुलिस ने एनकाउंटर में किया ढेर
- राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम और रक्षामंत्री के साथ की बैठक, रक्षा सहयोग की समीक्षा की
- दिल्ली पहुंचे अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्ताकी
- बिहार चुनाव : आज जारी होगी जन सुराज के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट
- मुंबई : वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार, ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

कांग्रेस संगठन में बदलाव की बयार जिलाध्यक्ष के बाद बदले जिला प्रभारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव किए गए हैं। कई जिलों में पार्टी ने जिला प्रभारियों को बदला है। अंदरखाने की खबर है कि, काम न करने वाले जिला प्रभारियों को पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखाया है। जिला प्रभारी जो जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं उनके स्थान पर दूसरे नेता को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पार्टी द्वारा किए बदलाव के अनुसार, इंदौर जिला प्रभारी रवि जोशी को भोपाल का प्रभारी बनाया गया है। ग्वालियर ग्रामीण प्रभारी संजीव सक्सेना को इंदौर का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं, ग्वालियर ग्रामीण संजीव सक्सेना को हटाकर पीसी शर्मा को प्रभारी बनाया गया है। मंदसौर में जयवर्धन सिंह की जगह मनोज राजानी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जयवर्धन सिंह गुना के जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं इसलिए उन्हें जिला प्रभारी के प्रभार से हटाया गया है। जबकि, मुरैना में सिद्धार्थ कुशवाह की जगह रामकिंकर गुर्जर प्रभारी बनाए गए हैं। वहीं, पन्ना में संजय यादव की जगह यजभान सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। टीमकगढ़ से रेखा यादव की जगह राव यादवेंद्र सिंह की जिम्मेदारी दी गई है।

इन्हें भी मिली जिम्मेदारी-यही नहीं, जबलपुर में हरदा विधायक आर.के दोगने की जगह राजकुमार खुराना को जिला प्रभारी बनाया गया है। निवाड़ी में राव यादवेंद्र सिंह के स्थान पर राम लखन दंडोतिया को कमान दी है। सतना में राजा बघेल की जगह सुनील सराफ को पद मिला है। सीधी में अजय टंडन को हटाकर दिलीप मिश्रा को नियुक्त किया गया है। उमरिया अनुभा मुंजारे की जगह नीरज बघेल जिला प्रभारी बनाये गए। जबलपुर शहर में हरदा विधायक आरके दोगने की जगह राजकुमार खुराना को जिम्मेदार दी गई। देवास विक्रांत भूरिया की जगह सुरेंद्र सिंह शेरा लेंगे। होशंगाबाद, ओम पटेल को बनाया सुखदेव पांसे। खंडवा में आरके दोगने और रीना बोरासी को जिम्मेदारी मिली है।

नई कार्यकारिणी में इन नेताओं को मिली बड़ी जिम्मेदारी

मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की पुरानी प्रदेश कार्यकारिणी और सभी जिलाध्यक्षों को भंग कर दिया गया है। इसके बाद अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। नई कार्यकारिणी में प्रमुख नियुक्तियां इस प्रकार हैं-

- विभा पटेल - प्रदेश अध्यक्ष
- नूरी खान - कार्यकारी अध्यक्ष
- सुमिता मिश्रा - उपाध्यक्ष
- मनीषा रावत - उपाध्यक्ष
- सुनीता गावंडे - पर्यवेक्षक

इसके अलावा 36 महासचिव भी नियुक्त किए गए हैं।

मंगलवार को प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में महिला कांग्रेस की पहली कार्यकारिणी बैठक हुई। बैठक में संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की गई। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस और प्रदेश कमेटी मिलकर पर्यवेक्षक नियुक्त करेंगे, जो पूरे प्रदेश के जिलों का दौरा करेंगे। ये पर्यवेक्षक जिला स्तर पर वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से संवाद कर नए जिलाध्यक्षों के लिए पैनल तैयार करेंगे।

करवा चौथ के लिए सजे इंदौर के बाजार...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • पति की लंबी उम्र की कामना का पर्व करवा चौथ कल मनाया जाएगा। करवाचौथ के पर्व को लेकर इंदौर के मध्यक्षेत्र राजबाड़ा और उसके आसपास के बाजारों में मिट्टी के बने करवा, पूजन सामग्री की दुकानें भी सजी गई हैं। जहां मिट्टी के करवा 40 से 100 रुपए तक बिक रहे हैं। गौरतलब है कि करवा चौथ को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह रहता है। अभी से महिलाएं तैयारी में जुटी हुई हैं। इस दौरान कपड़े, चूड़ी, पार्लर और ज्वेलर्स की दुकानों पर महिलाओं की ज्यादा भीड़ लग रही है। बाजारवाद के इस दौर में इलेक्ट्रानिक और ज्वैलरी कंपनियां भी लुभावने आफर के साथ करवा चौथ व्रत का फायदा उठाने के लिए जुट गई है।

टीआई सुसाइड केस में एएसआई बर्खास्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • टीआई सुसाइड केस में मध्यप्रदेश शासन ने एएसआई रंजना खोड़े को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभागीय जांच में सामने आया है कि खोड़े टीआई हाकिम सिंह को ब्लैकमेल कर रही थीं। इसे विभाग ने गंभीरता से लिया। जांच अधिकारी ने माना कि इससे पुलिस की छवि धूमिल हुई है। खोड़े बर्खास्तगी से पहले तक धार जिले में पदस्थ रही हैं। मामला सवा तीन साल पुराना है। जून 2022 में इंदौर के रीगल स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में टीआई हाकिमसिंह पंवार ने अपनी सर्विस रिवाल्वर से पहले एएसआई रंजना खोड़े पर गोली चलाई थी और फिर खुद को गोली मार ली थी। इस हमले में रंजना बच गई थीं, क्योंकि गोली उनके कान के पास से निकल गई थी, जबकि पंवार की मौत हो गई थी। मामले की दो बार जांच कराई गई। पहली जांच एसआईटी ने की, जिसमें रंजना को दोषी पाया गया था और उनकी एक वेतनवृद्धि रोकी गई थी पर पुलिस कमिश्नर इस जांच से संतुष्ट नहीं थे। गोली से बाल-बाल बचीं एएसआई ने टीआई के खिलाफ छोटी ग्वालटोली पुलिस से शिकायत की थी। इस प्रकरण में पुलिस ने मृत टीआई पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। इसके बाद टीआई के परिवार ने रंजना पर ब्लैकमेलिंग के आरोप लगाए थे, तब पुलिस ने ब्लैकमेलिंग की धाराओं में रंजना के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था।

विकास का नया रोडमैप हुआ तैयार, 4 बड़े प्रोजेक्ट्स में खस्ताहाल हुए जिंसी हाट का भी होगा कायाकल्प

डेड़ करोड़ी हाट बाजार डोम को कौड़ी का कर दिया

नगर निगम का डेढ़ करोड़ में बना इतवारिया हाट डोम बना कचरा डंपिंग स्टेशन

आशीष शिंदे (96446-30000)

दैनिक इंदौर संकेत

'इन्दौर संकेत' ने पूर्व में उठाया था मुद्दा.....

आशीष शिंदें (96446-30000)

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हाल ही में कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में हुई इंदौर स्मार्ट सिटी की बोर्ड बैठक में नेहरू पार्क पुनर्विकास, जिंसी हाट बाजार और हेरिटेज डेवलपमेंट जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

इंदौर को एक स्मार्ट और सुविकसित शहर बनाने की दिशा में कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। स्मार्ट सिटी कार्यालय में आयोजित इस बैठक में शहर के कई बड़े विकास कार्यों की समीक्षा की गई और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई।

बैठक में इन प्रमुख विकास कार्यों पर हुई चर्चा के मुख्य केंद्र में नेहरू पार्क और जिंसी हाट बाजार का पुनर्विकास, शहर की ऐतिहासिक धरोहरों का विकास (हेरिटेज डेवलपमेंट) और स्मार्ट सिटी की आय बढ़ाने के उपाय शामिल थे।

बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि विकास के सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे होने चाहिए।

नगर पालिक निगम परिषद सम्मेलन आज कई महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ ही चन्दन नगर से कालानी नगर निकलने वाले रोड पर भी अहम चर्चा होगी-नगर पालिक निगम परिषद का सम्मेलन आज गुरुवार को अटल बिहारी बाजपेयी परिषद सभागृह अटल सदन निगम मुख्यालय, इन्दौर में आयोजित किया गया है। सम्मेलन मे कई विषयो पर चर्चा होगी। साथ ही पार्षद अनवर कादरी की पार्षद पद से हटाए जाने वाले मुद्दे पर भी चर्चा होगी।

यौन अपराधों में एफआईआर के लिए आ रही परेशानी के लिए सरकार का निर्णय

अब थाने में महिला सब निरीक्षक की उपस्थिति हुई अनिवार्य

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • सरकार महिलाओं से जुड़े अपराधों में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के दावे करती है, पर हकीकत उलट है। छेड़छाड़ और यौन शोषण जैसे मामलों में एफआईआर के लिए नाबालिग बच्चियों को भी थानों में घंटों इंतजार करना पड़ता है।

महिला संबंधी अपराधों की शिकायत सुनने से लेकर एफआईआर, मेडिकल और बयान लेने के हक महिला सब इंस्पेक्टर या उससे वरिष्ठ अधिकारी को ही हैं पर भोपाल कमिश्नरेट के 38 थानों में सिर्फ 31 महिला सब इंस्पेक्टर हैं। इनमें भी 5 मातृत्व या चाइल्ड केयर लीव पर हैं, जबकि 4 ऑफिस स्टाफ में हैं। फील्ड में 22 सब इंस्पेक्टर हैं। कई थानों में महिला एसआई हैं ही नहीं। शिकायत मिलने पर कंट्रोल रूम से किसी अन्य थाने की महिला अफसर को बुलाया जाता है, जिससे एफआईआर दर्ज करने में 3 से 4 घंटे की देरी हो जाती है।

- **छेड़छाड़ की शिकायत, चार घंटे करना पड़ा इंतजार**-अशोका गार्डन में छेड़छाड़ की शिकार युवती 3 सितंबर की सुबह 11 बजे थाने पहुंची। वहां महिला सब इंस्पेक्टर नहीं थी। बाकी जगह भी सभी महिला एसआई किसी न किसी ड्यूटी पर थीं। अंत में मिसरोद थाने की एसआई श्वेता शर्मा ड्यूटी पूरी कर 3.30 बजे अशोका गार्डन थाने पहुंचीं, फिर एफआईआर हुई।
- **एसआई को 5 घंटे लगे आने में, तब तक समझौता हो गया**-दो महीने पहले, रात 9.30 बजे थाना गौतम नगर में दुष्कर्म की शिकायत लेकर आई महिला को 5 घंटे इंतजार करना पड़ा। रात्रि गश्त से लौटने के बाद एसआई रूपा मिश्रा थाने पहुंचीं, लेकिन पीड़िता ने रात 3.30 बजे कहा कि समझौता हो गया है और एफआईआर नहीं कराना चाहती।
- **अफसर भी मानते हैं- महिला सब इंस्पेक्टरों की कमी है**-भोपाल में महिला संबंधी अपराधों को देखते हुए महिला सब इंस्पेक्टरों की कमी तो है। मौजूदा पदस्थ महिला एसआई में से कुछ लीव पर हैं। कुछ की लॉ एंड आर्डर में ड्यूटी होती है। ऐसे में कई बार दिक्कत होती है।

न्यूज इन ब्रीफ

ऑर्क फॉर्मास्युटिकल्स में तीन दिनों तक चली जांच के बाद की गई कठोर कार्यवाही

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • रिस्क बेस्ड इंस्पेक्शन स्कीम के अंतर्गत सेंट्रल ड्रग स्टेंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन के डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ और ऑफिस ऑफ द कंट्रोल फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन भोपाल के आदेश पर ऑर्क फॉर्मास्युटिकल्स का निरीक्षण किया गया। जांच के लिए नई दिल्ली के श्री विजय दुपाला और भोपाल के अनामिका सिंह औषधि निरीक्षक को दायित्व सौंपा गया। दो उच्च विभागों के संयुक्त दल द्वारा तीन दिन 27 से 29 सिंतम्बर को निरीक्षण कर जांच की गई। जांच के बाद 30 सिंतम्बर को ही नोटिस जारी किया गया। नोटिस में 216 बिंदुओं पर फॉर्मास्युटिकल्स कंपनी से स्पस्टीकरण मांगा गया। नोटिस जारी करते हुए कंपनी को उत्पादन, विक्रय तथा वितरण रोकने की सख्त चेतावनी दी गई। साथ ही इन तीनो प्रक्रियाओं पर तुरंत प्रतिबंध भी लगाया गया।

दीपावली के मद्देनजर शहर में बिजली कंपनी का मैंटेनेंस अभियान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर दीपोत्सव के पहले शहर में मैंटेनेंस अभियान संचालित किया जा रहा है, ताकि दीपोत्सव पर आपूर्ति में कोई बाधा की स्थिति निर्मित नहीं हो। शहर अधीक्षण यंत्री श्री डीके गाठे ने बताया कि तीसों जोन से संबंद्ध 11 केवी फीडरों, ग्रिडों, प्रमुख स्थानों के ट्रांसफार्मरों, निम्नदाब लाइनों का मैंटेनेंस सुबह सात बजे से तीन चार घंटों तक किया जा रहा है। अगले सप्ताह तक दीपोत्सव की तैयारी का यह मैंटेनेंस कार्य पूर्ण हो जाएगा। शहर अधीक्षण यंत्री गाठे ने बताया कि त्योहार के मद्देनजर हो रहे मैंटेनेंस को लेकर नियमित रूप से पर्यवेक्षण के लिए कार्यपालन यंत्रियों को निर्देशित किया गया है। शहर अधीक्षण यंत्री ने बताया कि दीपोत्सव पर शहर में चौबीसों घंटे कार्मिक ड्यूटी देंगे। उपभोक्ताओं को दीपोत्सव पर मांग के मुताबिक बिजली वितरण पूरी गुणवत्ता से किया जाएगा।

उमंग में दिखेगा देश भर की महिला उद्यमियों का हुनर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • अखिल भारतीय श्वेतांबर जैन महिला संघ केन्द्रीय इकाई द्वारा उमंग दीपावली शॉपिंग फेस्टिवल का आायोजन 11 और 12 अक्टूबर को अभय प्रशाल में किया जाएगा। इस फेस्टिवल में देश भर की महिला उद्यमी और हुनरमंद महिलाएं अपने विशेष उत्पादों के साथ भाग लेंगी। महिला संघ की संस्थापक अध्यक्ष रेखा जैन, अध्यक्ष विजया जैन ने बताया कि इस फेस्टिवल में दीपावली के त्योहार से संबधित हर चीज एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगी। उमंग फेस्टिवल 11 अक्टूबर को सुबह 11.30 बजे से शुरु हो जाएगा। सचिव वंदना जैन और पूजा जैन ने बताया कि उमंग फेस्टिवल महिलाओं को सशक्त बनाने का एक प्रयास भी है। कई महिलाओं ने इसी फेस्टिवल से शुरुआत की और अब वे बड़ा कारोबार कर रही हैं। यहां पर हैंड एंब्रायडरी वाली साडियां, सूट्स, इंडो वेस्टर्न डिजाइनर परिधान, बेडकवर, कुशन कवर्स, हैंडमेड ज्वेलरी, से लेकर मोजडियां, बैग, बेंगल्स, गिफ्ट आयटम्स, घर सजाने की कई वस्तुएं जिनमें लैंपशेड्स से लेकर डिजाइनर दिए, झूमर, मूर्तियां, गमले सहित कई आकर्षक आयटम होंगे। कुछ महिलाएं हाथ से बनाए पापड़, अचार, चटनियां आदि के स्टॉल भी लगाएंगी। यहां त्योहार की शॉपिंग के साथ ही फूड जोन में स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद भी लिया जा सकेगा।

सेंट्रल जिमखाना क्लब में ख्यात क्रिकेटर गुलरेज अली व नरेंद्र बगथेरिया को किया सम्मानित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • ख्यात क्रिकेटर गुलरेज अली व नरेंद्र बगथेरिया को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिलने पर सैंट्रल जिमखाना क्लब में सम्मानित किया। गरिमामय समारोह में क्लब के अध्यक्ष हुकुम सोनी, सचिव गिरधर काकाणी व कोषाध्यक्ष मनोज काला ने श्री गुलरेज अली व नरेंद्र बगथेरिया को शाल श्रीफ़ल भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर क्लब के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे। दोनों ही वरिष्ठ खिलाड़ियों ने लंबे समय तक मध्य प्रदेश रणजी टीम का प्रतिनिधित्व किया व क्लब क्रिकेट के जरिए प्रतिभाओं को तरासने में दोनों ही का विशेष योगदान रहा है । दोनों ही अंडर-19 व अंडर-16 क्रिकेट के सिलेक्टर्स भी रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सदस्यगण मौजूद थे।

भारतीय का आधार शिक्षा और संस्कृति, वसुधैव कुटुम्बकम भारत की परम्परा रही है : मंत्री परमार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • प्रदेश के उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारत का गौरवशाली इतिहास रहा है। 300 वर्ष पूर्व भारत में 7 लाख गुरूकुल सहित उच्च शिक्षा संस्थान थे। उस दौर में 80 से 90 प्रतिशत साक्षरता थी। उस कालखण्ड में भारत में मेडिकल सहित इंजीनियरिंग और वास्तुविद् की शिक्षा दी जाती थी। नालंदा विश्वविद्यालय में सभी विषयों की शिक्षा दी जाती थी और यहां विद्यार्थी दूर-दूर से पढ़ने आते थे। उस दौर में भारत में शिक्षा का स्तर बहुत ऊँचा था। शिक्षा और संस्कृति भारतीयता का आधार था। वसुधैव कुटुम्बकम् की हमारी परम्परा थी और भारत को विश्वगुरु के रूप में सम्मान प्राप्त था। मंत्री परमार बुधवार को श्री गोविंदराम सेक्सरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआईटीएस) इंदौर में ग्रेजुएशन एवं गोल्ड मेडल सेरेमनी (उडान-2025) कार्यक्रम में अपना मुख्य संबोधन दे रहे थे। इस मौके पर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु प्रो. राजीव त्रिपाठी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई, राजा भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर (मराठे), संस्थान के पूर्व छात्र पद्मश्री प्रो. डीबी फाटक, संस्थान के निदेशक प्रो. नीतेश पुरोहित और उद्योगपति एवं पर्सिसटेंट सिस्टम लिमिटेड के संस्थापक डॉ. आनंद देशपाण्डे विशेष रूप से उपस्थित थे।

मंत्री परमार ने कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति में नवाचार के क्रम को बनाये हुए हैं। उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा के पाठ्यक्रमों में हमारे पूर्वजों और भारतीय परम्परा के ज्ञान को लगातार जोड़ा जा रहा है। साथ ही उन गलत तथ्यों को हटाया जा रहा है, जिसे अंग्रेजों ने जोड़-मरोड़कर भारत का गलत इतिहास लिखा था। भारत का अतीत गौरवमय और उज्ज्वल रहा है। भारत कभी भी गरीब देश नहीं रहा। यदि ऐसा होता तो यूनान से लेकर अफगानिस्तान के लुटेरे भारत को लुटने क्यों आते, भारत सोने की चिड़िया था, आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द वह तीसरी अर्थव्यवस्था की दस्तक देगा। 2047 में भारत विकसित राष्ट्र के साथ विश्वगुरु के रूप में स्थापित होगा। मंत्री परमार ने कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अमेरिका द्वारा लगाये गए टैरिफ से भी भारत की अर्थव्यस्था को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मंत्री परमार ने कहा कि एसजीएसआईटीएस एवं विज्ञान संस्थान इंदौर नवाचार का केन्द्र बना हुआ है। यहां लगातार नवाचार हो रहे हैं। यह संस्थान केवल इंदौर का ही नहीं प्रदेश-देश का गौरव है। यह ऐसा उच्च शैक्षणिक संस्थान है जिसने भारतीयता को कभी भी नहीं छोड़ा है और हमारी ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाया है।

महाराजा श्री अजमीढ जयंती जयंती मनाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मारवाड़ी समाज द्वारा श्री अजमीढ़ शिक्षण संस्थान विश्वकर्मा नगर में हर्ष और उल्लास के साथ मनाई गई। श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मारवाड़ी समाज द्वारा श्री महाराजा श्री अजमीढ़ जयंती के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में समाज के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कुमार सुंड़िया के आतिथ्य में एवं विशेष अतिथि श्रीमती हंसा जी खत्री द्वारा दीप प्रजव्वलन एवं श्री अजमीढ़ जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रजवल्लित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

प्रारंभ में सचिव श्री अनिल वर्मा द्वारा नवगठित श्रीमैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मारवाड़ी नवयुवक संगठन के गठन के बारे में जानकारी दी गई। उसके पश्चात् अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष प्रोफे. श्री किशनलाल जी जड़िया के साथ नवयुवक संगठन के अध्यक्ष श्री अंकित सहदेव एवं उनकी कार्यकारणी के सदस्यों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात् नव निर्वाचित श्रीमैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार महिला समिति की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती हंसा जी खत्री एवं उनकी कार्यकारणी को प्रमाण पत्र सौप कर अभिनंदन किया गया। श्रीमैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष ने इस कार्यक्रम के लिए समाजजनों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन श्री संजय सोनी द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन श्री अभय जावड़ा द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में समाज के लगभग 300 सदसयों ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। अंत में प्रसाद वितरण के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

जहरीला कफ सिरप बनाने वाली कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा का डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी की टीम ने बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात तमिलनाडु के चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा। एसआईटी ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित उनका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था। उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात छिंदवाड़ा की उमरेठ तहसील के पचधार गांव निवासी 3 वर्षीय मयंक सूर्यवंशी ने इलाज के दौराम दम तोड़ दिया। वह 25 सितंबर से नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। इस बीच कोल्ड्रिफ सिरप की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। तमिलनाडु डायरेक्टर ऑफ ड्रग्स कंट्रोल की रिपोर्ट में सामने आया है कि यह सिरप नॉन फार्मास्यूटिकल ग्रेड केमिकल से तैयार किया गया था। जांच के दौरान कंपनी के मालिक ने मौखिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने दो बार में प्रोपलीन ग्लायकॉल के 50 किलो के दो बैग खरीदे थे। यानी कंपनी ने 100 किलो जहरीला केमिकल खरीदा था। जांच में इसका न कोई बिल मिला है, न खरीद की एंट्री की गई। पूछताछ में जांच अधिकारियों को बताया गया कि भुगतान कभी कैश तो कभी G-Pay से किया था। दवा बनाने वाली कंपनी ने घटिया क्वालिटी का प्रोपलीन ग्लायकॉल खरीदा। उसका कभी टेस्ट भी नहीं कराया। चौंकाने वाली बात यह है कि कंपनी के पास न तो खरीदी के बिल हैं और न ही प्रयोग किए गए केमिकल के रिकॉर्ड मौजूद हैं।

लैब जांच में यह भी पाया गया कि सिरप में डाईएथिलीन ग्लायकॉल और एथिलीन ग्लायकॉल जैसे जहरीले रसायनों की मौजूदगी तय सीमा से 486 गुना अधिक थी। इधर, एक एक्सपर्ट ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया है कि यह मात्रा न सिर्फ बच्चों के लिए घातक है बल्कि यह हाथी के बराबर के जानवर की भी किडनी और ब्रेन को नष्ट कर सकती है।

राजनैतिक दबाव में पुलिस ने सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाले अपराधी को छोड़ा- राकेश यादव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने इंदौर में सांप्रदायिक तनाव फैलाने के उद्देश्य से रचे गए षड्यंत्र को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राजनैतिक संरक्षण में असामाजिक एवं राष्ट्रविरोधी तत्वों को खुली छूट दी जा रही है, जिससे प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह सवालों के घेरे में आ गई है। यादव ने बताया कि दिनांक 6 अक्टूबर 2025 की रात्रि 3 से 4 बजे के बीच तुकोगंज थाना पुलिस के गश्ती दल ने एम.जी. रोड स्थित 56 दुकान पुल पर । Love PIG नामक आपत्तिजनक पोस्टर लगाते हुए पाँच संदिग्धों को पकड़ने का प्रयास किया, जिनमें से चार भागने में सफल रहे जबकि एक व्यक्ति को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद उक्त व्यक्ति को तुकोगंज थाने ले जाया गया, जहाँ राजनैतिक दबाव में आकर सुबह लगभग 11 बजे बिना एफआईआर दर्ज किए छोड़ दिया गया। पूर्व महासचिव यादव ने कहा कि यह घटना केवल कानून व्यवस्था पर नहीं बल्कि पुलिस की निष्पक्षता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

सत्ता पक्ष के नेताओं ने थाने पहुँचकर पुलिस पर दबाव बनाते हुए अपराधी को छुड़वाया, जबकि यह कृत्य प्रत्यक्ष रूप से सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास था।

उन्होंने इस घटनाक्रम की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि -तुकोगंज थाने के सीसीटीवी फुटेज (6 अक्टूबर की रात 2 बजे से 7 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे तक) सुरक्षित किए जाएँ एंव सूचना के अधिकार में प्रदान किए जायें। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जायें। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम, फोटो और मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।इसके साथ मौजूद अन्य चार व्यक्तियों को भी आरोपी बनाया जायें। 56 दुकान ओवरब्रिज एवं आसपास के क्षेत्र (अपोलो टावर, हुकमचंद घंटाघर, हाइकोर्ट चौराहा, जंजीरवाला चौराहा) के फुटेज जब्त कर जांच में शामिल किए जाएँ। राजनैतिक दबाव में अपराधी को छोड़ने वाले संबंधित पुलिस अधिकारी को तत्काल निलंबित/बर्खास्त किया जाए।

राष्ट्रीय अधिवेशन 2025 में इंदौर जाग्रति पुलक मंच परिवार को मिला सर्वश्रेष्ठ अधिवेशन पुरस्कार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • प. पूज्य आचार्य पुलक सागर जी महाराज ससंघ के आशीर्वाद से उदयपुर राजस्थान में इंदौर मंच परिवार ने नए इतिहास की रचना की।इंदौर जाग्रति पुलक मंच परिवार को सर्वश्रेष्ठ अधिवेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष मीना झांझरी एवं प्रदेश महामन्त्री आशा होलास सोनी ने बताया कि क्षेत्रीय अधिवेशन के 9 झोन में से सर्वश्रेष्ठ अधिवेशन का अवार्ड झोन 3 इंदौर को प्राप्त हुआ। जो इंदौर की समस्त महिला एवं पुरुष शाखाओ की एकता एवं मेहनत का प्रतिफल था। मध्यप्रदेश अध्यक्ष अनामिका बाकलीवाल एवं शिरीष जैन ने बताया कि 800 वृक्षों को लगाने पर पुलक छाया का अवार्ड महिला जाग्रति मंच मैन मीना झांझरी इंदौर को प्राप्त हुआ। 1500 से अधिक रक्तदान करवाने पर मानवसेवा अवार्ड राजेंद्र नगर शाखा प्रीति गांधी इंदौर को प्राप्त हुआ। महामंत्री मनोज बाकलीवाल ने बताया कि देशभर की पुलक मंच की 300 से अधिक शाखाओ में से सर्वश्रेष्ठ शाखा का अवार्ड एवं 21000/- नगदी पुरुस्कार डायमंड शाखा इंदौर को प्राप्त हुआ।उक्त राशि को जिनशरणं छात्रावास में भेट किया गया।

सड़क हादसे में चार की मौत, टक्कर के बाद वैन में लगी आग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के समीप महू में बुधवार देर रात सड़क हादस में चार लोगों की मौत हो गई। दो कारों की टक्कर के बाद एक में आग लग गई। उसमे सवार लोग दो लोग जिंदा जल गए, जबकि दो युवकों को गंभीर चोटें आई थीं। उनकी भी मौत हो गई। हादसा महू के नांदेड़ ब्रिज पर हुआ। कार में फंसे दो घायलों को जैसे-तैसे निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस के अनुसार एक कार तेज स्पीड से महू की तरफ से आ रही थी। ब्रिज पर कार का संतुलन बिगड़ा औरर वह दूसरी तरफ से आ रही वैन से टकरा गई। वैन में गैस किट लगी थी। इस कारण उसमें आग लग गई। कार की टक्कर से वैन में सवार घायलों को निकाला नहीं जा सका। वे वैन में ही जिंदा जल गए। हादसे के बाद मार्ग पर दूसरे वाहनों के चालक मदद के लिए उतरे और पुलिस को सूचना दी। कार में सवार घायलों को निकालने की कोशिश शुरू हो गई, लेकिन ड्रायवर सीट पर बैठे युवक की मौत हो चुकी थी। एक घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। हादसे में मानपुर निवासी पवन सिंव्हल, कमले गुर्जर की मौत हो गई।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस के मौके पर मनोचिकित्सक डॉ पवन राठी की कार्यशाला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मजबूत दिमाग़ बनाने के लिए रोज़मर्रा की कुछ आदतें महत्वपूर्ण हैं, जिनमें भावनाओं को व्यक्त करना, शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना, तनाव का प्रबंधन करना, समाधानों पर ध्यान केंद्रित करना और दयालुता का अभ्यास करना शामिल है। यह बात मनोचिकित्सक एवं इंदौर साइकियाट्री सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. पवन राठी ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इंदौर के छात्रों के लिए आयोजित एक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला के दौरान कही। स्ट्रॉन्ग माइंड = सुपरपावर, शीर्षक वाले इस सत्र का नेतृत्व करते हुए श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल में मनोचिकित्सक डॉ. पवन राठी ने कहा, मज़बूत दिमाग़ या स्ट्रॉन्ग माइंड केवल एक दिन का नारा नहीं, बल्कि हमारा दैनिक अभ्यास बनने दें। यह आयोजन क्रिएट स्टोरीज सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 के थीम-मानवीय आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य के अनुरूप आयोजित किया गया था।

गुरु टेकचंद का 214 वां समाधि महोत्सव मनाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर • दामोदर वंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज के गुरु टेकचंद जी महाराज का 214 वां समाधि महोत्सव पर गुरुधाम कड़छा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय थे। विजयवर्गीय ने मंदिर दर्शन कर गुरु देव का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम को विजयवर्गीय व ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहनलाल चौहान ने संबोधित किया।कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के शिक्षा के क्षेत्र व अन्य विधाओं में पारंगत छात्र छात्राओं का ट्रस्ट व दर्जी समाज कर्मचारी संघ उज्जैन की ओर से तथा समाज के प्रमुखों का गुरु सेवक संघ

द्वारा सम्मान किया। व शाम को गुरुदेव की पालकी यात्रा निकाली गई ।ट्रस्ट का वार्षिक लेखा-जोखा सचिव नरेंद्र पडिहार ने प्रस्तुत किया। संघ के पूर्व पार्षद राजेश चौहान,राजेश जाधव, अमित चौहान,और गोपाल परमार ने गुरु सेवक संघ की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संरक्षक दिलीप परमार (देवास), मार्गदर्शक नरेंद्र परमार (इन्दौर), कोषाध्यक्ष मनीष सोलंकी (उज्जैन), ट्रस्टी गण सुभाष गोयल (बेरागड), रमेश चंद्र डाबी (कन्नोद), रूप किशोर सोलंकी (इन्दौर), धनराज महेश्वरी (इन्दौर), हेमराज सोलंकी देवगढ़),गोपाल परमार (इन्दौर), शान्तिलाल पवांर (इन्दौर) महेश चौहान (बेगन्दा), कड़छा प्रभारी हीरालाल परमार (राऊ) सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु एवं गुरु भक्त समाधि महोत्सव में हजारों की संख्या में पधार कर गुरु देव के दर्शन कर पुण्य लाभ लिया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 09 अक्टूबर 2025

न्यूज इन ब्रीफ

फिलेटिकल एवं न्यू मिस्मेटिक्स सोसायटी की सभा में हुआ पत्रिका इंडफिल का लोकार्पण

इंदौर ● इंदौर फिलेटिकल सोसायटी एवं इंदौर न्यू मिस्मेटिक्स सोसायटी की मासिक सभा में देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती पर संग्रहित सिक्के का प्रदर्शन भी किया गया और सोसायटी की मासिक पत्रिका इंडफिल का लोकार्पण भी किया गया। रीगल चौराहा स्थित इंडियन काफी हाउस पर आयोजित यह सभा लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी के नाम समर्पित रही। फैशन डिजाइनर एवं फिलेटेलिस्ट विदुषी जैन ने अध्यक्षता की। कार्यशाला का आयोजन रवीन्द्र नारायण पहलवान के निर्देशन में संपन्न हुआ। आलोक खादीवाला ने गांधी एवं शास्त्री पर विशेष एलबम का प्रदर्शन किया। शिवम चतुर्वेदी ने रियासत कालीन भारतीय सिक्कों पर आधारित पुस्तक का प्रदर्शन कर उन पर अपने विचार भी रखे। महेश रामचंदानी एवं राजेश शाह द्वारा संग्रहित अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर जारी सिक्के का प्रदर्शन भी विशेष आकर्षण रहा।

लोक नायक जे.पी. एवं नानाजी देशमुख की जयंती पर 11 अक्टू. को विशेष व्याख्यान

इंदौर ● लोक नायक जयप्रकाश नारायण एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नानाजी देशमुख की जयंती के अवसर पर शनिवार, 11 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे जावरा कम्पाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर लोकतंत्र सेनानी एवं प्रहरी संघ के तत्वावधान में व्याख्यान का आयोजन रखा गया है। संघ के अध्यक्ष गिरीश शर्मा आदित्य एवं प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी के मुख्य आतिथ्य एवं गांधीवादी विचारक अनिल त्रिवेदी की अध्यक्षता में भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबू सिंह रघुवंशी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। संघ के सभी सदस्यों को इस आयोजन का खुला न्यौता दिया गया है।

गोयल ट्रस्ट की मेजबानी में कल संध्या को करवाचौथ के उद्यापन का दिव्य आयोजन

इंदौर ● गोयल पारमार्थिक न्यास की मेजबानी में राजीव गांधी चौराहा स्थित होटल सोलारिस (शुभकारज के पास) पर समाज की 71 महिलाओं के करवा चौथ व्रत का उद्यापन शुक्रवार, 10 अक्टूबर को शाम 7 बजे से धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की दिव्यता को देखते हुए विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया है। चंद्रमा के दर्शन की विशेष व्यवस्था भी की गई है। कार्यक्रम में शहर के सभी प्रमुख समाजसेवी भी अतिथि के रूप में शामिल होकर व्रतधारी महिलाओं का उत्साहवर्धन करेंगे। ट्रस्ट की ओर से श्रीमती कनकलता-प्रेमचंद गोयल, श्रीमती कृष्णा-विजय गोयल एवं सोनल-अजय आलूवाले ने बताया कि महोत्सव में प्रत्येक व्रतधारी महिला के साथ उनके पति, परिजन एवं अन्य मेहमानों को भी आमंत्रित किया गया है। व्रतधारी 71 महिलाओं के रिश्तेदारों सहित मेहमानों के आगमन के कारण करीब 3 हजार समाजबंधु इस उत्सव में शामिल होंगे। इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न आकर्षक एवं करवाचौथ पर आधारित रंगारंग स्पर्धाओं का आयोजन भी किया जाएगा। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

अखंड धाम आश्रम के ब्रह्मलीन संत वेदांत केसरी लक्ष्मणानंद महाराज की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि सभा

इंदौर ● जीवन में कर्मों की श्रेष्ठता ही हमारे चरित्र का निर्धारण करती हैं। मनुष्य का शरीर भले ही नश्वर हो, लेकिन उनके द्वारा किए गए सदकर्म अमर ही रहते हैं। अखंड धाम के ब्रह्मलीन वेदांत केसरी स्वामी लक्ष्मणानंद महाराज ने जीवन पर्यंत अपने सेवा कर्मों से पीड़ित मानवता की सेवा के साथ ही समाज को धर्म और संस्कृति से भी जोड़े रखा। उनकी 21वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज उनका पुण्य स्मरण इसलिए भी किया जाना चाहिए कि उन्होंने समाज और सनातनी संस्कृति को मजबूत बनाने की प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान की है। बिजासन रोड स्थित अविनाशी अखंड धाम आश्रम पर बुधवार को वेदांत केसरी स्वामी लक्ष्मणानंद महाराज की 21वीं पुण्यतिथि महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप महाराज के सानिध्य एवं साध्वी आदित्य चेतना गिरि, नर्मदा तट से आए संत भिखारी बाबा के विशेष आतिथ्य में हवन-पूजन व पुष्पांजलि के साथ मनाते हुए उपस्थित संतों-महंतों ने उक्त विचार व्यक्त किए। समाजसेवी किशोर गोयल, अशोक गोयल, शैलेन्द्र मित्तल (उज्जैन), सीए विजय गोयनका एवं जानकीलाल सांखला विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

एमवाय अस्पताल में खाना बांटने पर प्रतिबंध, खाने की दुकानें भी नहीं लगेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमवाय अस्पताल परिसर में खाना वितरण करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। बुधवार को एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि खाद्य पदार्थ स्ट्रिक्टली अस्पताल में नहीं आना चाहिए। इसके लिए सभी गेट पर सिक्योरिटी से चेक करवाए जाएंगे। भोजन वितरण करने वाले कैंपस के बाहर ही भोजन वितरण करें। जिसे एमवाय अस्पताल अधीक्षक और एजिल कंपनी चेक करेंगे। साथ ही अस्पताल परिसर में खाने की दुकानें लगाने पर भी प्रतिबंध लगाया है। दरअसल, ये आदेश हाल ही में चूहों के कुतरने से 2 बच्चों की मौत के बाद जारी किया गया है।

एमवाय के एनआईसीयू में घूम रहे बड़े-बड़े चूहे

एनआईसीयू में नवजातों को इंक्यूबेटर में रखा था। चूहों ने उनके हाथ कुतर दिए। घटना के बाद एमवाय अस्पताल में पेस्ट कंट्रोल किया गया। एनआईसीयू में नवजातों को इंक्यूबेटर में रखा था। चूहों ने उनके हाथ कुतर दिए। घटना के बाद एमवाय अस्पताल में पेस्ट कंट्रोल किया गया। एमवाय अस्पताल में चूहों ने दो नवजातों के हाथ कुतर दिए। दोनों को दो-तीन पहले जन्म के कुछ घंटे बाद एनआईसीयू में शिफ्ट किया था। रविवार को जब नवजात को चूहे ने काटा था तो डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू कर दिया था। सोमवार को दूसरी घटना के बाद स्टाफ ने सीनियरों को सूचना दी। दरअसल, पूरे अस्पताल में ही चूहों की भरमार है। बताया जाता है कि इसमें एनआईसीयू में तो एक बड़ा चूहा कई दिनों से सक्रिय है। खुद स्टाफ उसे देखकर सहम जाते हैं। इन दोनों घटनाओं के बाद एमवायएच प्रबंधन ने बड़े स्तर पर पेस्ट कंट्रोल कराने की तैयारी की है। साथ ही एनआईसीयू में चूहों की आवाजाही बंद कराने पर काम चल रहा है।

डीन ने ये निर्देश भी दिए

- नियमित रूप से अस्पताल की सफाई करें, खासकर खाने के अवशेष और कूड़ा-कचरा हटाएं।
- कैंपस में चूहों के बिल देख कर केमिकल ट्रीटमेंट के निर्देश दें।
- अस्पताल की दीवारों और फर्श में छिद्रों और दरारों को सील करवाए, जिससे चूहे अंदर न आ सकें।
- चूहे मारने के लिए ट्रैप या जहरीले पदार्थों का उपयोग सावधानी और सुरक्षित तरीके करें।
- नियमित जांच और निगरानी के लिए एक अधिकारी निर्धारित किया जाए।
- विभाग में नियमित जांच और निगरानी का काम समय पर किया जाए।
- पेस्ट कंट्रोल सेवाएं पेस्ट कंट्रोल सेवाओं की मॉनिटरिंग कर डेली रिपोर्ट डीन ऑफिस में सब्मिट करना है।

स्पंदन डॉक्टर्स कल्चरल ग्रुप द्वारा शरद पूर्णिमा संगीत निशा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लोकमान्य नगर भगिनी मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में, रीति-रिवाज के अनुसार अश्विन मास मे पूर्ण रुप से चमकते चांद की चांदनी मे मां लक्ष्मी और श्री कृष्ण जी की भक्ति के साथ ,प्रारंभ हुआ स्पंदन ग्रुप का संगीत कार्यक्रम। समाज के अच्छे स्वास्थ्य और प्रेम की कामनाओ से ईश्वर की आराधना की गयी ।रात, चांद, चांदनी शीर्षको पर आधारित गीतो का चयन किया गया।शरद पूर्णिमा की भावना को और भी बढ़ाते है। संगीत की मधुर ध्वनि और चांदनी की सुंदरता ने एक अद्वितीय वातावरण बनाया। आरंभ ओंकारस्वरूपा गणेश वंदना से हुआ, इसके बाद चाँद छुपा बादल में, आओ तुम्हें चांद पर ले जाए, जूनली रात मा,

आओ हुजूर तुमको, रात के हमसफर, धीरे धीरे चल चांद गगन में, चांद सिफारिश, बदन पर सितारे, रात अकेली हैं जैसे 24 गीतों की माला प्रस्तुत हुई। कार्यक्रम का संचालन किया डॉ संजय लौंढे ने।संगीत संयोजन कपिल राठौर और अभिजीत गौड़ का था। अध्यक्ष श्रीमती मंगला फडके व सचिव श्रीमती अपर्णा भागवत ने किया।

अग्रवाल सांस्कृतिक मंच नंदानगर ने सरकारी स्कूल के बच्चों को बांटे दीपावली के उपहार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद और उत्सवी बेला में उन्हें भी भागीदार बनाने के उद्देश्य से श्री अग्रवाल सांस्कृतिक मंच नंदानगर ने सार्थक दीपावली का श्रीगणेश आज बाणगंगा स्थित रेलवे क्रासिंग के पास सरकारी स्कूल पहुंचकर किया। मंच के सदस्यों ने स्कूल की नोडल अधिकारी प्रमिला शर्मा की मौजूदगी में बच्चों को स्कूल बेग, कम्पास, पटाखे, फुलझड़ी, अनार, चकरी, मिठाई एवं अभ्यास पुस्तिकाएं भेंट की। मंच के संस्थापक अजय मित्तल, अध्यक्ष सोनू अग्रवाल एवं सत्यप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि मंच द्वारा प्रतिवर्ष दीपावली एवं अन्य पर्व पर इस तरह की सेवा गतिविधियां संचालित की जा रही है। इस अवसर पर अरुण गोयल, शरद अग्रवाल, वीरेन्द्र अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, कमलेश सिंघल, अंकित अग्रवाल एवं रितेश गर्ग सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे। उपहार पाने के बाद बच्चों के चेहरों की खुशी देखने लायक थी।

करवा चौथ का प्री सेलिब्रेशन विशाल नगर महिला मंडल ने किए सौलह श्रृंगार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विशाल नगर महिला मंडल का प्री करवा चौथ सेलिब्रेशन देखने लायक था, इस मंडल ने इतना बढ़िया आयोजन करके साबित कर दिया कि यहां का महिला मंडल किसी से कम नहीं। आने वाली पीढ़ियों तक प्रेम, विश्वास और आस्था के इस पर्व को पहुंचाने का संकल्प विशाल नगर महिला मंडल ने लिया, जो वाकई में समाज को एक नई दिशा देने का काम करता है।

सिंदूर... बिंदी... चूड़ियां... बिछुए.... मेहंदी... काजल... गजरा.... पायल... नथ... कर्णफूल... मांगटीका... कमरबंद... अंगूठी... हार... वस्त्र और इत्र... इन सौलह श्रृंगार से सजी-धजी विशाल नगर महिला मंडल की महिलाएं...। जिन्होंने अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की मंगलकामनाएं की।

ये आयोजन हुआ विशाल नगर में। यहां का महिला मंडल इंदौर का नंबर वन महिला मंडल है। इस मंडल की टीम सामाजिक क्षेत्र में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समाजसेवा हो या अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, हर आयोजन को विशाल नगर महिला मंडल बहुत ही शानदार तरीके से करता है। इसी कड़ी में करवा चौथ का प्री सेलिब्रेशन विशाल नगर महिला मंडल ने किया। विशाल नगर महिला मंडल द्वारा करवा चौथ का प्री-सेलिब्रेशन बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों और सोलह श्रृंगार से स्वयं को सजाकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सोलह श्रृंगारों के साथ सजी महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की मंगलकामनाएँ की। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, गीत-संगीत और पारंपरिक रस्मों का आनंद लिया गया।

जुबान और कंठ का सदुपयोग कर दुर्लभ मनुष्य जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से लबरेज बनाएं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ईश्वर ने दुर्लभ मनुष्य जीवन तो दिया ही है, जुबान पर लक्ष्मी और कंठ में सरस्वती का वास भी इसलिए दिया है कि हम अपनी वाणी का उपयोग निंदा, चुगली, आत्म प्रशंसा, झूठ और अन्य अनैतिक कार्यों के बजाय अपने तन, मन, धन और रिश्तों को पवित्र एवं मजबूत बनाने के लिए करें, लेकिन विडंबना यह है कि हम इन सब बुराइयों में डूबकर स्वयं का नुकसान कर रहे हैं। हमारी सोच नकारात्मक हो गई है। जब असफलता मिलती है तो क्रोध आता है और क्रोध के कारण ही रक्तचाप और अन्य बीमारियां हमें घेर रही हैं। पूजा, जप, आरती और प्रार्थना के बजाय हम अपने कंठ का दुरुपयोग दूसरों का अनादर करने या उन पर दोषारोपण करने जैसे कामों में कर रहे हैं। समय रहते हम ईश्वर द्वारा प्रदत्त अंगों से सद्गुणों को आत्मसात करें तो जीवन में बहुत कुछ बदलाव आ सकता है। हम जुबान और कंठ का सदुपयोग कर इस मनुष्य जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से लबरेज बना सकते हैं। विश्व विख्यात नारायण रैकी सत्संग परिवार मुंबई की संस्थापक और प्रख्यात रैकी विशेषज्ञ और राज दीदी के नाम से प्रख्यात श्रीमती राजेश्वरी मोदी ने मंगलवार को अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन एवं नारायण रैकी सत्संग परिवार इंदौर की मेजबानी में रवीन्द्र नाट्य गृह में आयोजित अपने प्रवचन और व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान ऐसी अनेक बातें कही, जो व्यक्ति के जीवन को सक्षम और संपन्न बना सकती हैं।

ब्राह्मण सेवा संगठन द्वारा समूह एवं युगल गरबा में हर कोई झूम उठा-हुई मां की सामूहिक आरती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ब्राह्मण सेवा संगठन के प्रेम सेतु युगल बंधन प्रकल्प एवं अन्य सभी प्रकल्पों के सहयोग से बरसाना गार्डन पर एक दिवसीय रंगारंग गरबा महोत्सव का दिव्य आयोजन सौल्लास संपन्न हुआ।

संगठन के अध्यक्ष पं. सत्येन्द्र शर्मा एवं मीडिया पं. नीलाभ सुगंधी ने बताया कि पं. सुनील शर्मा म्युजिकल समूह के सदस्यों ने अपनी संगीतमय प्रस्तुतियों से भजनों एवं गरबों का ऐसा समां बांधा कि हर कोई झूम उठा। इस अवसर पर समूह गरबा और युगल गरबा के भी आयोजनों से मां जगदम्बा की सामूहिक आराधना भी की गई। कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक पं. अनुपम तिवारी, पं. यश शुक्ला, पं. विकास अवस्था, पं. अनूप शुक्ला, पं. चंद्रमोहन दुबे, पं. संजय मिश्रा, पं. राजेन्द्र शर्मा, पं. राजेश हरदेनिया, के आतिथ्य में श्रेष्ठ गरबा करने वाले प्रतिभागियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। मुख्य अतिथि पं. अनुपम तिवारी ने इस अवसर पर 19 फरवरी को संगठन की ओर से 21 जोड़ों के सामूहिक विवाह का संकल्प भी व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन प्रेम सेतु युगल बंधन के अध्यक्ष पं. सावन-पूजा मिश्रा, पं. अंकित-मोना शर्मा, पं. राहुल-निधि शर्मा, पं. महेन्द्र-बबीता शर्मा ने किया। अंत में पं. नगेन्द्र -टीना जोशी ने आभार माना।

सम्पादकीय

सड़कें सिर्फ गाड़ियों के लिए हैं क्या? पैदल यात्रियों का हक आखिर कौन मानेगा?

भारत में हर साल हजारों पैदल यात्री सड़क हादसों में जान गंवाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अब सभी राज्यों को उनके लिए नियम बनाने का सख्त आदेश दिया है। सड़कों पर पैदल चलने वालों को सुरक्षा का उतना ही अधिकार है, जितना वाहनों में सवार लोगों का होता है। इस पर गौर करना जरूरी है कि सड़कें केवल वाहनों के लिए नहीं हैं, पैदल यात्रियों को भी उन पर चलने का हक है। यातायात नियम भी सभी पर लागू होते हैं। मगर सवाल है कि क्या पैदल यात्रियों की सुरक्षा को गंभीरता से लिया जा रहा है? हर वर्ष सड़क हादसों में जान गंवाने वालों में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। यह सड़कों पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा में एक गहरी प्रणालीगत विफलता है। यही वजह है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पैदल यात्रियों तथा गैर-मोटर चालित वाहनों के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया है। इसके लिए छह माह की समय सीमा तय की गई है। हालांकि, कुछ राज्य इस दिशा में पहले ही कदम बढ़ा चुके हैं, लेकिन उनकी नियमावली या तो पूरी तरह स्पष्ट नहीं है या फिर उन पर कड़ाई से अमल नहीं हो पा रहा है। देश में सड़क सुरक्षा की स्थिति क्या है, इसका अंदाजा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से पिछले दिनों जारी एक रपट से लगाया जा सकता है। इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में देश भर में 4.8 लाख से ज्यादा सड़क हादसे हुए हैं। इनमें से करीब 1.72 लाख लोगों की मौत हो गई और 4.62 लाख लोग घायल हुए। इन हादसों में जान गंवाने वालों में 68 फीसद पैदल यात्री और दोपहिया सवार शामिल थे। यह आंकड़ा बताता है कि सड़कों पर सबसे ज्यादा खतरा पैदल चलने वालों और दोपहिया चालकों को होता है। दरअसल, देश में ज्यादातर सड़कें मुख्य रूप से वाहनों को ध्यान में रख कर ही बनाई गई हैं, जिससे पैदल यात्रियों को अपनी सुरक्षा के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है। यह बात छिपी नहीं है कि अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं या वे टूटे हुए हैं या फिर उन पर अतिक्रमण हो गया है। इस वजह से नागरिकों को मुख्य सड़कों पर चलने के लिए विवश होना पड़ता है, जहां तेज रफ्तार वाहनों से हमेशा हादसे का खतरा बना रहता है। सड़कों पर यातायात को सुचारु रूप से संचालित करने और सुरक्षा के लिए देश में मोटर वाहन अधिनियम बनाया गया है, मगर उसमें 'पैदल चलने के अधिकार' को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। इस कारण पैदल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। भारतीय सड़क कांग्रेस ने वर्ष 2012 में फुटपाथों को लेकर कई सुझाव दिए थे, जिनमें पैदल चलने के लिए कम से कम 1.8 मीटर चौड़ा और बाधा-मुक्त क्षेत्र बनाने का सुझाव भी शामिल था।

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद उठ रहे हैं अनेक प्रश्न

बिहार में ठीक एक महीने बाद दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान होगा। मतलब साफ है कि अब सोचने का समय नहीं है। परिणाम चाहे जो भी आए मुख्य रूप से 7 फैक्टर्स की भूमिका कहीं न कहीं से रहेगी ही। 19 साल से ज्यादा समय से राज्य के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार और केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की अग्निपरीक्षा तो है ही। लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव के साथ राहुल गांधी को उनके मुद्दों पर जनता का कितना साथ मिलता है यह भी पता चल जाएगा।

बिहार चुनाव के पुराने समीकरण खंगाले जाय तो बिहार में जिस पार्टी को जातिगत समीकरण मिलता है, वह जीतती है, जैसा कि एनडीए में भाजपा और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) ने पिछले दो दशकों में जीत हासिल की है। इस बार भी इस समीकरण पर भाजपा की पकड़ ढीली नहीं हुई है, इसलिए इस चुनाव ने भी उम्मीद के मुताबिक रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक किसी ने यह अनुमान नहीं लगाया है कि इस बार एनडीए को अस्थिर करने वाले दो फैक्टर फायदा उठाएंगे या हिट होंगे।

बिहार में एक समय में तीन, पांच, सात चरणों में चुनाव होते थे, लेकिन इस बार सिर्फ दो चरणों में मतदान होगा। हैरानी की बात है कि भारत के चुनाव आयोग ने एक भी चरण में मतदान कराने की हिम्मत नहीं की है, जब देश में कहीं भी चुनाव नहीं होता है और सारी सुरक्षा एजेंसियां उपलब्ध हैं। अगर %एक राष्ट्र, एक चुनाव% की नीति लागू करनी है तो बिहार जैसे बड़े राज्य में एक ही चरण में चुनाव कराने की क्षमता आयोग के पास होनी चाहिए। मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा, यानी छठ पूजा पूरी होने के बाद नौवें दिन पहला चरण और छठ पूजा संपन्न होने के 14वें दिन दूसरा चरण होगा। हाल के दिनों में वोट चोरी के आरोपों के साथ, बिहार में मतदान की तारीखें एक बार फिर आयोग को आरोपियों के पिंजरे में डाल सकती हैं। बिहार में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक 11 घंटे तक मतदान होगा। किसी ने भी मतदान की अवधि पर आपत्ति नहीं जताई होगी। हालांकि, विपक्ष को संदेह है कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान शाम पांच बजे के बाद मतदान प्रतिशत अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया है, जिसके बाद मतदान का समय बदल दिया गया है। बिहार में एक पोलिंग बूथ पर 1200 मतदाता हैं। अगर हर मतदाता को एक मिनट भी लगता है, तो भी हर किसी को वोट डालने में 20 घंटे लगेंगे। मान लीजिए कि मतदान 100 प्रतिशत नहीं है, अगर शाम 5 बजे के बाद लंबी कतारें लगती हैं, तो महाराष्ट्र में विवाद दोहराया जाएगा।

गौरतलब है कि 74 वर्षीय मुख्यमंत्री की तबीयत अब पहले जैसी नहीं रही है, और यही विपक्षी महागठबंधन का मुख्य हथियार बन गया है। विपक्ष का आरोप है कि अब नीतीश प्रशासन पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं, और राज्य एक सात-आठ सदस्यीय राजनीतिज्ञों और अफसरों का समूह चला रहा है। तेजस्वी यादव, जो नेता प्रतिपक्ष हैं, अक्सर नीतीश कुमार के समारोहों के वीडियो साझा करते हैं ताकि यह दिखा सकें कि सीएम अब उतने सक्रिय नहीं हैं। रविवार को पटना के एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार के बार-बार हाथ जोड़ने का का वीडियो इसका ताज़ा उदाहरण है।

हालांकि जेडीयू ने लगातार इन आरोपों का खंडन किया है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने सोमवार को कहा, वह (नीतीश) सभी फैसले खुद ले रहे हैं।। उनकी सेहत सिर्फ विपक्ष का मुद्दा है। सहयोगी भाजपा भी बार-बार यह कह रही है कि चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़े जा रहे हैं। लेकिन भाजपा यह बताने से बच रही है कि चुनाव के बाद क्या होगा।जाहिर है कि नीतीश के प्रति बिहार में अब भी जो सम्मान है उसके चलते भाजपा इस मुद्दे पर फूंक फूक कर कदम रख रही है। दरअसल डर यह है कि अगर नीतीश कुमार स्वस्थ नहीं हैं, यह बात आम लोगों तक पहुंच गया तो एनडीए के लिए स्थितियां माकूल नहीं रह सकेंगी।

एनडीए ने विरोधी लहर को रोकने के लिए नीतीश कुमार पिछले कुछ महीनों से लगातार आम जनता की भलाई के लिए कोई न कोई फैसले ले रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं के लिए कई योजनाओं की झड़ी लगा दी है। अब तक 1।21 करोड़ महिलाओं को 10,000 रुपये जा चुके हैं ताकि वे कोई छोटा व्यवसाय शुरू कर सकें। यह वितरण मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत जारी रहेगा क्योंकि आचार संहिता चल रही योजनाओं पर लागू नहीं होती।राज्य सरकार 1।89 करोड़ परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा पहले ही कर चुकी है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये प्रति माह किया गया है। जीविका, आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाया गया है। साथ ही 18 से 25 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को दो वर्षों तक प्रति माह 1,000 रुपये भत्ता देने की घोषणा की गई है।

उधर बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष सघन जांच अभियान को राहुल गांधी ने मुद्दा बना दिया। उनका साथ देने के लिए पूरा इंडिया गुट आधे अधूरे मन से लग गया। बिहार में 17 अगस्त से लेकर एक सितंबर तक की राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने मिलकर यात्रा भी निकाली। दोनों नेताओं को देखने और सुनने के लिए भारी भीड़ भी जुटी पर जिस तरह तेजस्वी ने दुबारा यात्रा निकाली है और वोट चोरी के मुद्दे पर अब उनका उतना फोकस नहीं है, उससे तो यही लगता है कि महागठबंधन यह समझ चुका है कि यह मुद्दा फुस्स हो चुका है।मोदी सरकार पर वोट चोरी का आरोप कितना काम किया इसका नतीजा 14 नवंबर को बिहार चुनाव परिणामों के साथ ही आ जाएंगे। दूसरी तरफ एनडीए ने एसआईआर के विरोध को घुसपैठियों को प्रोत्साहन देने वाला बताया है। चुनाव परिणाम ये साबित करेगा आम लोगों को अपनी बात समझाने में कौन अधिक सफल रहा।

एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात बार-बार कहता तो है। पर चुनाव परिणाम आने के बाद उनके सीएम बनाने की बात पर भाजपा और जेडीयू दोनों ही ओर से एक तरह की चुप्पी ही है। दरअसल नीतीश की बिगड़ती सेहत को देखते हुए एनडीए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही अपनी मुख्य चेहरा बनाया हुआ है। जबकि हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में मोदी ने स्थानीय नेतृत्व के भरोसे ही चुनाव अभियान को छोड़ रखा था। पर बिहार में ऐसा नहीं है।दरअसल महाराष्ट्र और हरियाणा की तरह पूरे प्रदेश में प्रभाव दिखाने वाला भाजपा का कोई स्थानीय नेता बिहार में नहीं है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राज्य अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के पास राज्यव्यापी जनअपील में वह प्रभाव नहीं है जो एनडीए को चाहिए। इसी तरह जनता दल यू में भी नीतीश कुमार ने कभी भी किसी को अपने डिप्टी के रूप में उभरने ही नहीं दिया।नीतीश कुमार जिस तरह बीमार दिख रहे हैं उसके चलते मोदी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि जेडीयू के किसी भी नेता में राज्यव्यापी अपील नहीं है। जाहिर है कि सारा दारोमदर नरेंद्र मोदी पर ही है।

पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे चुनाव रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा रखी है।जन सुराज पार्टी (छ्रस्क्र) के बारे में कहा जा रहा है कि एनडीए के लिए यह पार्टी बहुत घातक साबित होने वाली है। पिछले कुछ दिनों में भाजपा के शीर्ष नेताओं पर उनके आरोपों ने सत्तारूढ़ दल को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के बारे में तो उन्होंने ऐसे आरोप लगाएं हैं कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को मुंह छुपाना पड़ रहा है। इतना ही नहीं बिहार की जातिगत राजनीति से ऊबे बहुत से लोगों के लिए किशोर का यह संदेश कि उनकी सरकार प्रवास, बेरोजगारी और सुशासन जैसे मुद्दों पर ध्यान देगी। जाहिर है कि बहुत से लोगों के लिए वो उम्मीद की किरण बन रहे हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि नीतीश कुमार ने अंतिम मौकों पर फ्रीबीज की घोषणाएं की हैं उसके पीछे कहीं न कहीं प्रशांत किशोर ही हैं। जाहिर है कि अगर महागठबंधन को कई सीटों पर माइलेज मिलती है तो उसमें कहीं न कहीं प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी जनसुराज का भी हाथ होगा।

सवाल यह भी है कि एनडीए के लिए लालू प्रसाद यादव के जंगलराज का नैरेटिव बिहार विधानसभा चुनावों में क्या इस बार भी काम करेगा? दरअसल RJD की छवि को अपराध, भ्रष्टाचार और अराजकता से जोड़कर मतदाताओं में भय पैदा कराना ही एनडीए के लिए एक बार फिर फायदेमंद साबित हो सकता है। 1990-2005 के लालू-राबड़ी काल को जंगलराज बताकर ND ने 2005, 2010, 2020 चुनावों में सफलता हासिल की, जहां अपहरण, हत्या और लूट की घटनाओं का जिक्र कर जनता को नीतीश कुमार के सुशासन से जोड़ा जाता रहा है।

पिछले कुछ समय से बिहार में अपराध बढ़ने से ह्रष्ठ पर सवाल उठे हैं। इसके साथ ही इस बार ऐसे युवाओं की मात्रा इस बार वोट देने वालों की अधिक है जिन्होंने जंगलराज के बारे में केवल सुना है। जाहिर है कि उनके लिए बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। हो सकता है कि उनके लिए जंगलराज का नैरेटिव कमजोर हो जाए।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक,
समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

1.30 लाख के पटाखे जब्त, पुलिस ने देवला में 8 कार्टून बरामद किए

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

बिस्टान स्थित सरवर देवला में पुलिस ने बुधवार को अवैध पटाखा भंडारण पर कार्रवाई की। एक रहवासी मकान से 1 लाख 30 हजार 985 रुपए कीमत के पटाखे जब्त किए हैं। यह कार्रवाई दीपावली से पहले अवैध पटाखा संग्रहण के खिलाफ पुलिस के अभियान का हिस्सा है।

बिस्टान थाना पुलिस टीम को सूचना मिली थी, जिसके आधार पर गिरीश पिता रमेश श्रीमाली निवासी सरवर देवला के घर पर दबिश दी गई। पुलिस ने उनके रहवासी मकान और दुकान के पीछे बने हिस्से से 8 कार्टून में बड़ी मात्रा में विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद किए।

आरोपी गिरीश श्रीमाली के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अवैध रूप से पटाखों का भंडारण करने वालों पर लगातार शिकंजा कस रही है।

खरगोन जिले में अवैध पटाखों के भंडारण पर यह तीसरी कार्रवाई है। इससे पहले सीतावल्लभ मार्केट और महेश्वर में भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

सरपंच पति समेत दो लोग 1 लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

लोकायुक्त इंदौर ने पकड़ा; जमीन विवाद सुलझाने मांगे थे 25 लाख

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन में लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को छोटी कसरावद ग्राम पंचायत के सरपंच पति और उनके एक साथी को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मंडलेश्वर रेस्ट हाउस में की गई।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सरपंच पति सुरजीत सिंह राठौर और उनके साथी धर्मेंद्र सिंह राठौर के रूप में हुई है।

इंदौर निवासी रिटायर्ड सैनिक अंतिम जैन ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी अंतिम जैन से कृषि भूमि के रास्ते के

एवज में कुल 25 लाख रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। इसी मामले में आज एक लाख रुपए की पहली किश्त लेते हुए इंदौर लोकायुक्त पुलिस ने कार्रवाई की।

महिला के शव से 'अश्लील हरकत' - डेढ़ साल दबाया मामला

युवक घसीटकर ले गया, फिर वापस रखा, केस दर्ज

बुरहानपुर • दैनिक इंदौर संकेत

डेढ़ साल पुराने महिला के शव से छेड़छाड़ के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसने स्ट्रेचर पर रखे शव को छुआ। फिर उसे घसीटता हुआ ले गया। कुछ देर बाद वापस रख गया। पूरी घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। मामला खकनार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का है। घटना 18 अप्रैल 2024 की सुबह के बीच हुई। खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया कि एक दिन पहले 7 अक्टूबर को डॉक्टर आद्या डावर ने खकनार थाने में इस मामले में शिकायत की थी। धारा 297 के तहत केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर मामला जांच में लिया गया है। आरोपी को बुधवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया।

सीसीटीवी फुटेज में यह दिखा- सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि सीएचसी के पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर स्ट्रेचर पर महिला का शव रखा है। यहां एक युवक आता है। वह इधर-उधर देखता है। फिर महिला के शव की तरफ झुकता है। वापस इधर-उधर देखता है। फिर शव से छेड़छाड़ करने लगता है। थोड़ी देर बाद उसे घसीटते हुए अपने साथ ले जाता है। करीब एक हफ्ते पहले सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए टेक्निकल टीम को महिला के शव से छेड़छाड़ का वीडियो दिखा। उन्होंने प्रभारी बीएमओ आद्या डावर को जानकारी दी। मामला कलेक्टर हर्ष सिंह तक पहुंचा। उन्होंने एक समिति बनाकर जांच करने के आदेश दिए।

समिति ने वीडियो की सच्चाई जांची। घटनास्थल का वेरिफिकेशन कराया। अस्पताल का रिकॉर्ड खंगाला। मंगलवार को कलेक्टर को अपनी रिपोर्ट सौंपी। घटना के बाद नर्सिंग स्टाफ भी घबरा गया था, लेकिन विभाग ने इस पूरे मामले को अब तक दबाए रखा। सीएमएचओ डॉ. आरके वर्मा ने कहा कि अब तक इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। हालांकि इसे स्वास्थ्य विभाग की एक बड़ी चूक माना जा रहा है। यह पूरा घटनाक्रम 2024 में अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था। बताया जा रहा है कि विभाग से ही सीसीटीवी फुटेज लीक होने के बाद यह मामला सामने आया।

खाद्य दुकानों से नमूने जांच को भोपाल भेजे, अमानक पाए जाने पर होगी कार्रवाई

बुरहानपुर • दैनिक इंदौर संकेत

कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने शहर की कई दुकानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए हैं। ये नमूने जांच के लिए भोपाल स्थित प्रयोगशाला भेजे गए हैं। यह कार्रवाई लोगों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। बुधवार को हुई जांच के दौरान विशाल मेगा मार्ट (लालबाग रोड) से मखाने का नमूना लिया गया। वहीं, लक्ष्मी किराना (मंडी बाजार) से डालडा घी और गुलाब जामुन, सरस्वती दूध डेयरी (मंडी बाजार) से मावा और पनीर, संपूर्ण इंटरप्राइजेज (स्टेडियम ग्राउंड) से गुलाब जामुन, और गुरु ट्रेडर्स (स्टेडियम ग्राउंड) से चना दाल व बेसन के नमूने लिए गए। विभाग ने बताया कि अगर जांच में कोई नमूना अमानक पाया जाता है, तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही विभाग ने कहा कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर लगातार निगरानी जारी रहेगी।

मंडी में कपास की नीलामी पहले दिन 6200 रुपए की सबसे ऊंची बोली

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

कृषि उपज मंडी समिति में आज बुधवार को कपास की नीलामी का शुभारंभ हुआ। नीलामी के पहले दिन श्रीगणेश में ही किसान गणेश यादव का कपास 6200 रुपए प्रति क्विंटल की उच्चतम बोली पर बिका। जिसे राधेश्याम हरिगोपाल फर्म ने खरीदा।

7 फर्म हुए शामिल- मंडी सचिव ओपी खेड़े ने बताया कि, नीलामी में कुल 7 फर्मों अजीत एग्रो, अजय एग्रो, हनुमान जिनिंग फैक्ट्री, ज्योति इंडस्ट्रीज, राधेश्याम हरिगोपाल, संदीप इंडस्ट्रीज और वर्धमान कॉट फाइबर्स के प्रतिनिधी शामिल हुए। मंडी में कुल 100 वाहनों में कपास की आवक हुई।

किसानों को मिला अच्छा दाम- कपास की नीलामी में किसानों को अच्छा दाम मिला। उच्चतम भाव 6901 रुपए प्रति क्विंटल रहा, जबकि न्यूनतम भाव 5550 रुपए प्रति क्विंटल रहा। मॉडल भाव 6401 रुपए प्रति क्विंटल रहा। इधर, किसान संगठनों का मानना है कि, इस बार कपास की फसल बिगड़ने से उत्पादन पर असर पड़ा है। कपास के रेट 10 हजार रुपए प्रति क्विंटल होना चाहिए।

ये व्यापारी और कर्मचारी रहे मौजूद- नीलामी के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य किसान और व्यापारी मौजूद रहे। जिनमें कैलाश बंसल, जितेंद्र सिंह उबेजा, मनोज राठौर, शांतनु डोंगरे, राजू घीया, मनीष घीया, संजय अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, मनोज थीटे और अशोक शर्मा शामिल थे। बोली की शुरुआत उद्घोषक प्रेमलाल खेडेकर और सहायक आनंदसिंह गौड़ ने की।

सीसीआई का नया नियम- जिले में ही बिकेगा कपास

बाहरी जिलों के किसानों पर लगी रोक, फर्जीवाड़ा रोकने की कवायद

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

भारतीय कपास निगम (सीसीआई) ने कपास खरीदी को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। अब खंडवा, खरगोन और बुरहानपुर जिले के किसानों को अपनी कपास की उपज अपने ही जिले की मंडियों में बेचनी होगी। पड़ोसी जिलों के किसान अब यहां आकर कपास नहीं बेच पाएंगे। सीसीआई का कहना है कि इस नियम का मकसद कपास खरीदी में पारदर्शिता लाना और व्यापारियों द्वारा किए जाने वाले फर्जीवाड़े को रोकना है।

किसानों को होगी परेशानी- पहले किसान अपनी उपज को किसी भी जिले की मंडी में बेच सकते थे, जिससे उन्हें परिवहन खर्च में बचत होती थी। लेकिन अब उन्हें अपने जिले की मंडी में ही उपज बेचनी होगी, भले ही वह दूर हो। इससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

फर्जीवाड़ा रोकने की कोशिश- सीसीआई के अधिकारियों का कहना है कि इस नियम से फर्जीवाड़ा रुकेगा और केवल पात्र किसान ही अपनी उपज बेच पाएंगे। पहले व्यापारी किसानों के नाम पर फर्जी तरीके से कपास बेच देते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा।

3200 किसानों ने कराया रजिस्ट्रेशन-खंडवा जिले में कपास बेचने के लिए अब तक 3200 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें खंडवा के 2000 और मूंदी के 1200 किसान शामिल हैं।

बाहरी जिलों से 25% कपास आता था- पहले सीसीआई अपनी कुल खरीदी का 25% कपास बाहरी जिलों से खरीदता था। लेकिन अब इस नियम के लागू होने से बाहरी जिलों से कपास की खरीदी नहीं हो पाएगी।

वूमंस वर्ल्ड कप - आज जीत की हैट्रिक को उतरेगा भारत

विशाखापट्टनम (एजेंसी) • भारतीय टीम ने आईसीसी वूमंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में अपने पहले दो मुकाबले जीत लिए हैं। हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी को तीसरे मैच में साउथ अफ्रीका से भिड़ना है। हालांकि, भारतीय टीम के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में गुरुवार को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है। भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों, लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है। तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रही थीं, जिसके बाद हरलीन देयोल, अमनजोत

कौर, रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला। श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिए थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता, तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा।

अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता, तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्तूबर को होने वाले मुकाबले में भी टीम पर दबाव रहेगा। भारतीय टीम प्रबंधन सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है, लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या ऑस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है।

इंदौर के तीन खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के तीन खिलाड़ी 40 वीं जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। एसोसिएशन के सचिव गोववि‍न्दा चिंतामण ने बताया कि 40 वीं जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 10 से 14 अक्टूबर तक भुवनेश्वर उड़ीसा में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में इंदौर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के मंथन काग 18 वर्ष आयु की 100 मी दौड़,,दिशा तिवारी 16 वर्ष आयु की गोल फेंक तथा स्तुती जायसवाल 16 वर्ष की ही 200 मी दौड़ में मध्यप्रदेश की तरफ से भाग लेंगे इस प्रतियोगिता में देश के 700 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। खिलाड़ियाँ के चयन पर एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक जोशी पिंटू शर्मिला तेजावत सचिन यादव पहलवान जितेंद्र गौड़ अपुर्व दुबे मिलन मांडलिक मनीष जरिया शुभम गौड़ दीपक यादव आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

धोनी मुंबई इंडियंस के लोगो वाली टी शर्ट में नजर आये

मुंबई (एजेंसी) • चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पांच बार आईपीएल खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी के आईपीएल 2026 में खेलने को लेकर अभी तक संशय बना हुआ है। हर बार बढ़ती उम्र को देखते हुए उनके संन्यास की अटकलें लगायी जाती रही हैं पर धोनी मैदान में उतरकर सबको हैरान कर देते हैं। वहीं अब एक नई तस्वीर आई है। इसमें धोनी आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के लोगो लगी ड्रेस में नजर आये। इसके बाद से ही प्रशंसक अटकलें लगाने लगे कि धोनी कहीं मुम्बई इंडियंस में तो नहीं जा रहे। इस तस्वीर में धोनी कुछ क्रिकेटरों और कुछ प्रशंसक के साथ जो टी शर्ट पहने हुए हैं, उस पर मुंबई इंडियंस का लोगो लगा हुआ है। धोनी वैसे तो एक फुटबॉल गेम का हिस्सा बने थे पर किट पर एमआई का लोगो देख हर कोई अटकलें लगाने लग गया है कि वे अगले सत्र में मुंबई इंडियंस की ओर से खेल सकते हैं। इतना ही नहीं, प्रशंसक ने कहा कि रोहित शर्मा को चेन्नई शामिल करें।

सिने जगत

फिल्म 'हैवान' में नजर आएगी अक्षय-सैफ की जोड़ी

मुंबई (एजेंसी) • अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म हैवान में नेगेटिव किरदार निभाते नजर आएंगे। अक्षय कुमार और सैफ अली खान की सुपरहिट जोड़ी फिल्म हैवान में साथ नजर आएगी। अक्षय और सैफ ने ये दिल्लगी, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, तू चोर मैं सिपाही, कीमत, आरजू और टशन जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। अब यह जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। फिल्मकार प्रियदर्शन, अक्षय और सैफ की जोड़ी को फिर से साथ में ला रहे हैं।अक्षय और सैफ फिल्म हैवान में साथ दिखने वाले हैं हैवान एक हाई-ऑक्टेन थ्रिलर फिल्म है। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। अक्षय कुमार ने फिल्म हैवान में अपने किरदार का खुलासा किया है। हाल ही में एक कार्यक्रम में अक्षय कुमार ने बताया है कि वह फिल्म हैवान में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। अक्षय कुमार ने कार्यक्रम में कहा, 'मैं एक ऐसी फिल्म कर रहा हूं, जिसमें नेगेटिव रोल निभा रहा हूं। मैं सोच रहा था कि मुझे यह करना चाहिए या नहीं। फिल्म का नाम 'हैवान' है। लेकिन अंत में मैं हार जाता हूं। 'हैवान' हार जाता है।'

मैं ब्रांड पर ज्यादा ध्यान नहीं देती - दिव्यांका त्रिपाठी

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी दहिया ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में अपने स्टाइल और सादगी से सभी का ध्यान खींच लिया। मुंबई में चल रहे इस इवेंट में उन्होंने न सिर्फ अपने लुक से सबका दिल जीता, बल्कि फैशन और ब्रांड्स को लेकर अपने बेबाक विचार भी साझा किए। दिव्यांका ने बताया कि वह ब्रांड्स को लेकर कभी जुनूनी नहीं रहीं। उन्होंने कहा, मैं ब्रांड पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मैं वही चीज़ खरीदती हूं जो मुझे पसंद आती है, चाहे वह किसी भी ब्रांड की हो। मेरे लिए सबसे जरूरी यह है कि वह चीज मुझे सूट करे और मेरे व्यक्तित्व के अनुरूप हो। फैशन की अपनी परिभाषा बताते हुए दिव्यांका ने कहा, मेरे लिए फैशन वह सब कुछ है जो आरामदायक हो। यह जरूरी नहीं कि वह महंगा या बहुत शानदार हो। अगर कोई आउटफिट आंखों को भाता है और पहनने में सहज लगता है, तो वही मेरे लिए फैशन है। जो चीजें आकर्षक होने के साथ आराम भी देती हैं, वही असली स्टाइल है। दिव्यांका त्रिपाठी अपने पारंपरिक लुक और ग्रेसफुल अंदाज के लिए जानी जाती हैं। सार्वजनिक आयोजनों में वह अक्सर भारतीय परिधानों में नजर आती हैं और हर बार अपने स्टाइल से फैन्स को प्रभावित करती हैं।

उज्जैन संभाग

रील बनाने वाले युवक का सुसाइड-शव रखकर परिजन ने किया चक्काजाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • उज्जैन में सोशल मीडिया पर पुलिस को अपशब्द कहते हुए चैलेंज करने वाले युवक ने बुधवार सुबह फांसी लगा ली। इससे नाराज परिजन ने चिमनगंज मंडी चौराहे पर शव रखकर नारेबाजी कर चक्काजाम कर दिया। परिजन ने चिमनगंज पुलिस पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने अभिषेक चौहान और उसके दोस्त विक्की राठौर को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद दोनों के माफी मांगते हुए वीडियो भी सामने आए थे। जिसमें वे हाथ जोड़कर कहते दिखाई दे रहे थे कि अब से ऐसी हरकत नहीं करेंगे।

एक हफ्ते पहले पोस्ट किया था वीडियो

विराटनगर में रहने वाले अभिषेक चौहान ने अपने साथी विक्की राठौर के साथ इंस्टाग्राम पर करीब 1 हफ्ते पहले एक वीडियो पोस्ट किया था। जिसमें अभिषेक चौहान पुलिस को चैलेंज कर रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दोनों पर कार्रवाई करते हुए दोनों को बंद कर दिया था। मंगलवार शाम को जमानत मिलने के बाद युवक अपने घर चला गया था। बुधवार सुबह उठने के बाद उसने अपने कमरे में जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अभिषेक की आत्महत्या का पता चलते ही उसके परिजन ने मंडी गेट के बाहर चक्काजाम कर दिया। पुलिस पर रुपए मांगने का आरोप लगाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों को कार्यवाही की मांग की है। मामले की सूचना पर जीवाजीगंज और माधवनगर सीएसपी मौके पर पहुंचीं और परिजनों को समझाइश देकर चक्काजाम खुलवाया।

रील में कहा- टूट चूका हूं, मरने के लिए तैयार हूं

अभिषेक चौहान की मौत के मामले में भले ही परिजन पुलिस पर गंभीर आरोप लगाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हों, लेकिन पुलिस इस मामले को प्रेम प्रसंग के कारण मौत होना बता रही है।

फर्जी डॉक्टर का ऑडियो, कहा- सेटलमेंट कर लो-मेरा कुछ नहीं बिगड़ेगा; बच्चे की मौत के बाद भी एफआईआर नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • उज्जैन में गलत इलाज से हुई बच्ची की मौत के मामले में अब तक जिम्मेदारों पर स्नढ्ढक्र नहीं हो सकी है। फर्जी डॉ. तैयबा घटना के एक हफ्ते से अधिक समय बीत जाने के बाद भी खुलेआम घूम रही है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने माना है कि वो फर्जी डिग्रीधारक है, उसे डिलीवरी और इलाज करने की अनुमति नहीं है।

अब पुलिस और स्वास्थ्य विभागों के आपसी तालमेल के नहीं होने के कारण उस पर स्नढ्ढक्र तक दर्ज नहीं हो पाई है। आरोपी फर्जी महिला डॉक्टर खुलेआम मृत बच्चे के परिजन को फोन पर आपस में बैठकर मामला निपटा लेने की धमकी भी दे रही है। महिला डॉक्टर का ऑडियो भी सामने आया है, जिसमें वह बोल रही है कि मेरा कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। बात आगे मत बढ़ाओ, बैठकर बात कर लो। मामले में 3 अक्टूबर को अस्पताल में हुए हंगामे और फर्जी महिला डॉक्टर के अस्पताल को सील करने के बाद फर्जी डॉ. तैयबा ने मृत बच्ची के मामा महेश मालवीय को फोन लगाकर सेटलमेंट करने की बात कही थी। जिसके बाद परिजनों ने डॉक्टर के खिलाफ पंवासा थाने में आवेदन दिया, लेकिन अब तक उस पर स्नढ्ढक्र तक दर्ज नहीं हो पाई है। स्वास्थ्य विभाग ने उसका अस्पताल सील करके पल्ला झाड़ लिया। मामले में जब डॉ. तैयबा शेख का पक्ष जानना चाहा तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ था।

सीएमएचओ और पुलिस एक-दूसरे पर टाल रहे

डॉ. तैयबा शेख की डिग्री फर्जी निकली है। इससे पहले भी एक बच्चे की मौत के मामले में उसका क्लिनिक सील हो चुका है। उस दौरान उस पर स्नढ्ढक्र दर्ज की गई थी, लेकिन इस बार एक हफ्ता बीत जाने के बाद भी क्लिनिक सील की ही कार्रवाई की गई है। स्वास्थ्य अमला और पुलिस विभाग दोनों एक दूसरे पर स्नढ्ढक्र नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं।

आगर मालवा में किसानों का प्रदर्शन, हाईवे जाम-सोयाबीन के कम भाव पर मंडी में दो घंटे रुकी नीलामी

आगर - मालवा • दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा में सोयाबीन के कम भाव मिलने से नाराज किसानों ने बुधवार को नेशनल हाईवे-52 जाम कर दिया। छावनी नाका चौराहा पर लगे इस जाम के कारण लगभग 30 मिनट तक यातायात बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही एसडीएम मिलिंद ढोके, सीएसपी मोतीलाल कुशवाह और थाना प्रभारी सहित पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने किसानों से चर्चा की, उनकी समस्याएं सुनीं और एसडीएम किसानों के साथ पैदल मंडी पहुंचे। इसके बाद हाईवे पर लगा जाम खोला गया और पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों से यातायात सुचारु कराया। मंडी पहुंचने पर किसानों ने नीलामी प्रक्रिया में गड़बड़ी और सोयाबीन के कम भाव मिलने को लेकर मंडी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप था कि व्यापारियों द्वारा सोयाबीन का भाव मात्र 3000 प्रति क्विंटल दिया जा रहा है, जबकि उनकी मांग है कि भाव 5000 प्रति क्विंटल किया जाए, ताकि उन्हें उचित मूल्य मिल सके।

किसानों ने यह भी शिकायत की कि एक ही फसल पर मशीन से जांच में अलग-अलग परिणाम आने से व्यापारी इसका लाभ उठा रहे हैं। वहीं,

व्यापारियों ने बताया कि प्लांटों पर भाव कम होने के कारण दिक्कतें आ रही हैं और जिले के चार प्लांटों में दरों में अंतर होने से असमानता बनी हुई है।चर्चा के दौरान एसडीएम ढोके ने निर्देश दिए कि एक जैसे माल पर अलग-अलग भाव नहीं आने चाहिए। उन्होंने स्वयं मौके पर मशीन से जांच कर अंतर देखा। एसडीएम ने घोषणा की कि अब से मंडी समिति की नमी जांच मशीन का ही उपयोग किया जाएगा और नीलामी के दौरान पारदर्शिता बनाए रखने के लिए राजस्व विभाग के दो कर्मचारी तैनात रहेंगे। इन निर्देशों के बाद करीब दो घंटे बाद मंडी की नीलामी प्रक्रिया दोबारा शुरू हो सकी और स्थिति सामान्य हुई।

संविदा शिक्षक पर छात्राओं से अभद्रता का आरोप, अभाविप ने बर्खास्तगी और एफआईआर दर्ज करने की मांग

आगर - मालवा • दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ एक संविदा शिक्षक शकील अंसारी पर छात्राओं के साथ अभद्र और अमर्यादित व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगा है। इस मामले को लेकर बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और आरोपी शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। अभाविप पदाधिकारियों ने प्रशासन को सौंपे ज्ञापन में बताया कि शिक्षक शकील अंसारी पिछले कई दिनों से विद्यालय की छात्राओं के साथ आपत्तिजनक हरकतें कर रहे थे। अभाविप ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ऐसे शिक्षक को तत्काल सस्पेंड कर सेवा से बर्खास्त किया जाए। इसके साथ ही उसके खिलाफ आपराधिक केस (एफआईआर) दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। परिषद ने प्रशासन को चेतावनी भी दी है कि यदि जल्द ही आरोपी शिक्षक के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन छात्राओं की मर्यादा की रक्षा के लिए उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होगा।

इस घटना के सामने आने के बाद विद्यालय की छात्राओं और उनके अभिभावकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं जिला प्रशासन ने इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की बात कही है। मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होने की संभावना है।

27 फीसदी ओबीसी आरक्षण केस हाईकोर्ट में फिर से मामला भेजने की उठी बात

कल होगी सुनवाई, शासन ने समय मांगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मप्र की राजनीति के सबसे बड़े 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की होने वाली अहम सुनवाई के दौरान पहले ही शासन ने एक दिन का समय मांग लिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इसे कल 9 अक्टूबर को सुना जाए तो बेहतर होगा। लेकिन इसी दौरान पांच मिनट तक विविध अधिवक्ताओं ने बात रखी और अहम मुद्दा उठाया। मेहता ने इसमें बार-बार अगले दिन (नौ अक्टूबर) की सुनवाई की बात रखी, जबकि अन्य पक्ष सुनवाई के लिए इसमें तैयार थे।

क्यों ना हाईकोर्ट में फिर भेजा जाए केस-इस मामले में यह बात सुप्रीम कोर्ट बेंच की ओर से ही उठी कि क्यों ना मुद्दे को फिर एमपी हाईकोर्ट भेजा जाए। बेंच ने कहा कि क्योंकि आरक्षण पूरी तरह से राज्य से जुड़ा मामला है, वहां की टोपोग्राफी क्या है, जनसंख्या क्या है, क्या स्थानीय मुद्दे हैं, यह इन सभी से लिंक है और इस पर राज्य हाईकोर्ट सुनवाई कर सकता है।

वहीं यह बात भी अधिवक्ताओं ने इस मुद्दे पर रखी कि ट्रांसफर याचिकाएं हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में आ चुकी हैं। हाईकोर्ट ने इसमें अंतरिम आदेश दिए हुए हैं। इसलिए मामला यहां आया है। वहीं छत्तीसगढ़ में दी गई अंतरिम राहत की भी बात कही गई। इस पर यह पक्ष भी रखा गया कि वहां यह अंतरिम राहत इसलिए दी गई क्योंकि कुछ भर्ती प्रक्रिया चालू थी और वह पूरी होने तक के लिए ही राहत दी गई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मराठा मामला, बिहार मामला हो या राजस्थान का मामला हो वहां नहीं दिया है।

ओबीसी वेलफेयर के अधिवक्ताओं ने ये कहा

ओबीसी वेलफेयर कमेटी की ओर से अधिवक्ता वरूण ठाकुर ने कहा कि आज सुनवाई थी लेकिन मप्र सरकार ने फिर समय मांगा, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने आपत्ति ली और कहा कि फिर दिवाली छुट्टी आ जाएगी। हमारे पास अन्य अहम केस भी हैं, तो क्यों ना इसे आप हाईकोर्ट में ही ले जाएं, बार-बार आप समय मांग रहे हैं। हम इसे अगले सप्ताह नहीं सुनेंगे, कल रखा जाएगा। अधिवक्ता रामेश्वर ठाकुर ने कहा कि फिर सरकार ने समय मांगा जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रूख अपनाया। यह भी कहा कि मप्र की भौगोलिक, जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए इस आरक्षण के कानून को जो एमपी सरकार द्वारा बनाया गया है। इसे हाईकोर्ट डिसाइड करे। ठाकुर ने कहा कि हाल ही में तेलंगाना मामले में भी यही कहा कि आरक्षण को लेकर स्टेट हाईकोर्ट डिसाइड करें।

एमवाय अस्पताल प्रशासन का छलावा उजागर

निलंबित डॉ. को दी गई जिम्मेदारी, कोर्ट और जनता दोनों को गुमराह किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • एम.वाय. अस्पताल प्रशासन की बड़ी कार्रवाई का पर्दाफाश हो गया है। जयस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट लोकेश मुजाल्दा ने बताया कि चूहा कांड में दिखावे के तौर पर की गई निलंबन कार्यवाही अब पूरी तरह से उजागर हो चुकी है। प्रशासन ने चूहा कांड के बाद डॉ. मुकेश जायसवाल, सहायक अधीक्षक को निलंबित बताया था, लेकिन अब वही अधिकारी दवाई, गोली और अन्य चिकित्सा सामग्री की खरीदी समिति के सदस्य बना दिए गए हैं। यह तथ्य स्पष्ट करता है कि एम.वाय. प्रशासन की कार्रवाई केवल दिखावा थी और जनता को गुमराह करने का प्रयास किया गया।

एम.वाय. अस्पताल के डीन और अधीक्षक ने माननीय उच्च न्यायालय में शपथ पत्र देकर यह दावा किया था कि उन्होंने दोषियों पर बड़ी कार्रवाई की है, और प्रमाण स्वरूप उसी दस्तावेज में डॉ. जायसवाल के निलंबन आदेश को प्रस्तुत किया था। लेकिन अब उसी अधिकारी को परचेजिंग कमेटी में शामिल कर देना न्यायालय, जनता और मीडिया - तीनों को भ्रमित करने का गंभीर अपराध है। यह कदम एमवाय प्रशासन की भ्रष्ट मानसिकता और मिलीभगत को उजागर करता है। जयस संगठन शुरू से यह कहता आया है कि एम.वाय. अस्पताल के डीन और अधीक्षक लगातार झूठ बोल रहे हैं, जनता, जिला प्रशासन, मीडिया और पुलिस को गुमराह कर रहे हैं। आज उन्होंने अपने झूठ को खुद ही साबित कर दिया है। जिस अधिकारी को निलंबित बताया गया था, उसे पुनः समिति में शामिल करना न केवल प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि यह चूहा कांड जैसी दर्दनाक घटना को दबाने का सुनियोजित प्रयास भी है।

कैलाश विजयवर्गीय के भावांतर योजना पर नए वादे से उलझी मोहन सरकार

ग्रीनफील्ड रोड और भावांतर विरोध में ट्रैक्टर रैली

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोयाबीन खरीदी के लिए आई एमपी सरकार की भावांतर योजना पर एक वादे ने सीएम डॉ. मोहन यादव की सरकार को उलझा दिया है। मंत्री भावांतर योजना के लिए निकाली गई धन्यवाद रैली पर दशहरा मैदान पर बोल रहे थे। उधर बीजेपी द्वारा 7 अक्टूबर को की गई धन्यवाद रैली के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा भावांतर योजना के विरोध में 8 अक्टूबर बुधवार को ट्रैक्टर रैली कर रहा है और साथ ही वह इंदौर-उज्जैन के बीच ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का भी विरोध कर रहा है।

मंत्री विजयवर्गीय ने इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को पहले घेरा और कहा कि वह बहुत झूठ बोलते हैं, झूठ बोलने की भी हद होती है कोई सिर-पैर तो होता है ना, वह भी नहीं है। वह कहते हैं कि किसान भाईयों की उपज 3000 में बिक जाएगी, ठग रही है सरकार। मंत्री ने आगे कहा कि मैं दावे से कह रहा हूं इस जवाबदार मंच से यदि किसी किसान का 3000 में सोयाबीन बिका तो 2028 रुपए मोहन सरकार उसके खाते में डालने का काम करेगी यह है भावांतर योजना। हमारे किसी किसान का नुकसान नहीं होना चाहिए, यह बीजेपी सरकार की इच्छा है। अब इसमें उन्हें क्या तकलीफ है। भावांतर योजना के तहत यह होना है कि 24 अक्टूबर से पहले 15 दिन तक मंडियों में बिके सोयाबीन का औसत भाव लेकर मॉडल रेट निकाला जाएगा।

और फिर मॉडल रेट और एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) जो 5328 रुपए तय है के बीच का अंतर किसान के खाते में जाएगा। जैसे मॉडल रेट 4500 रुपए तय हुआ और किसान का सोयाबीन 4800 में बिका तो किसान के खाते में एमएसपी और उपज बिकने के मूल्य 4800 के अंतर का 528 रुपए मिलेगा। यदि किसान का सोयाबीन 4000 रुपए में बिका तो उसे मॉडल रेट 4500 और एमएसपी के बीच का अंतर यानी 828 रुपए खाते में मिलेगा। यानि मंत्रीजी जो कह रहे हैं कि सोयाबीन 3000 में बिका तो दो हजार मोहन सरकार देगी यह भावांतर योजना में नहीं आता है। किसान को मॉडल रेट और एमएसपी के बीच का अंतर ही मिलेगा। उधर एमपी में बीजेपी सरकार की इस भावांतर योजना के तहत अभी पंजीयन काम ही चल रहा है। वहीं इंदौर में इसके लिए सरकार को धन्यवाद रैली निकल गई। जबकि उधर किसान संघ इसका विरोध कर रहा है और वह एमएसपी मांग रहा है। बीजेपी के पूर्व विधायक जीतू जिराती व अन्य नेताओं ने जब इसके लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली तो जमकर ट्रोल हुए। किसानों ने कहा कि अभी तो योजना में खरीदी शुरू नहीं हुई, ना राशि मिलना फिर किस बात की धन्यवाद रैली। इस ट्रैक्टर रैली में प्रति ग्रामीण विधानसभा से 300 ट्रैक्टर लाने की बात थी लेकिन कुल ट्रैक्टर ही 300 से कम पहुंचे।

सराफा चौपाटी : दीपावली बाद ही होगी निर्णायक बैठक

60 दुकानों पर सहमति, अभी लग रही दो सौ से ज्यादा दुकानें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सराफा चौपाटी की दुकानों को लेकर निर्णायक बैठक का इंतजार सराफा एसोसिएशन और चौपाटी एसोसिएशन दोनों पदाधिकारी कर रहे हैं। त्यौहारी सीजन में सराफा में दीपावली की चमक-दमक रहना है, ऐसे में दोनों खेमों को लगता है कि चौपाटी का फैसला दीप पर्व के बाद ही होगा। फैसला लेना है त्रिपक्षीय समिति को, फिलहाल तो सराफा चौपाटी वाली दो सौ से अधिक दुकानें लग रही हैं, सराफा एसोसिएशन का साफ कहना है हम तो 60 दुकानों के पक्ष में हैं, इतनी दुकानें तो नहीं लगने देंगे।

महापौर के साथ सोना-चांदी व्यापारी और चौपाटी एसोसिएशन के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक के बाद तय हुआ था कि गठित की गई समिति नए सिरे से

बड़ा- छोटा सराफा का अवलोकन करेंगी, आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करेगी, समय निर्धारण के साथ दोनों एसोसिएशन के सुझाव सुनेगी।

चांदी-सोना जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन अध्यक्ष हुकम सोनी ने बताया हम तो महापौर के साथ निर्णायक बैठक का इंतजार कर रहे हैं। अपने सदस्य व्यापारियों को स्पष्ट कह रखा है चौपाटी दुकान को लेकर कोई नया किराया अनुबंध नहीं करें। अभी तो उतनी ही दुकानें लग रही हैं लेकिन निर्णायक बैठक में हमारा एजेंडा रहेगा कि चौपाटी के लिये अधिकतम 60-65 दुकानों को ही अनुमति दी जाए। हमारा यह भी सुझाव रहेगा कि जिन 60-65 दुकानों पर सहमति बने तो वो सारी दुकानें भी रोड के एक तरफ ही लगें, अभी रोड के दोनों किनारों पर लग रही हैं।

जन्मदिन की पार्टी में पहुंचे युवक की बदमाशों ने चाकू घोंपकर हत्या की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • विजय नगर इलाके की स्कीम नंबर 54 स्थित वाइन शॉप के बाहर एक युवक की हत्या हो गई। बताया जा रहा है मृतक पार्थ दीवान (19) निवासी नंदा नगर अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में शराब पीने वाइन शॉप के बाहर पहुंचा था। शराब पीने के दौरान उसका कुछ बदमाशों से विवाद हुआ। थोड़ी देर बाद बदमाश अपने साथियों के साथ आए और पार्थ के सीने पर चाकू घोंपकर मौत के घाट उतार दिया। मामले में पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार मृतक पार्थ दीवान अपने दोस्त चिराग की बर्थडे पार्टी में करीब 4-5 दोस्तों के साथ स्कीम नंबर 54 की वाइन शॉप के बाहर बने अवैध अहाते में शराब पीने पहुंचा था। शराब पार्टी के दौरान उसका पास से निकल रहे 4-5 युवकों से कहासुनी हुई थी। दोनों पक्षों में मामूली विवाद हुआ जिसके बाद सभी युवक निकल गए। थोड़ी देर बाद बदमाश हथियार लेकर पहुंचे और पार्थ पर हमला करने का प्रयास किया। वह भागा लेकिन करीब 50 मीटर की दूरी पर एक्टिवा से आए तीन बदमाशों ने पार्थ पर जानलेवा हमला कर दिया। उसके सीने में जमकर चाकू मारे और भाग निकले। मौके पर लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। सूचना पर विजय नगर एसीपी, विजय नगर थाना प्रभारी सीके पटेल सहित अन्य पुलिसकर्मी जांच करने पहुंचे थे। मामले में पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है। जल्द ही आरोपी गिरफ्त में आ सकते है। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है जिसमें बदमाश पार्थ के साथ मारपीट कर चाकू से वार कर रहे है।

भगवानों की मूर्तियों पर थूकने से भड़के बजरंगी, दी चेतावनी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र के एमटीएच कंपाउंड में लगाए गए देवी-देवताओं के टाइल्स पर लोगों द्वारा थूकने की शिकायत पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता भड़क उठे। बजरंग दल सुभाष प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सेंट्रल कोतवाली थाने पहुंचकर इस संबंध में आवेदन दिया और नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाया।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि कंपाउंड नगर निगम के अधीन है और यहां लगाए गए टाइल्स पर भगवानों के चित्र बने हुए हैं। इन चित्रों के पास गंदगी फैलाना और थूकना हिंदू भावनाओं का अपमान है। बजरंग दल के जिला सह-

संयोजक ईश्वर प्रजापत ने कहा कि यह क्षेत्र महापौर पुष्यमित्र भार्गव और सनातनी विधायक गोलू शुक्ला के कार्यक्षेत्र में आता है। यदि 24 घंटे के भीतर वहां से भगवानों की तस्वीरें नहीं हटाई गईं तो बजरंग दल उग्र आंदोलन करेगा। साथ ही, जो लोग इसके लिए जिम्मेदार होंगे, उनका मुंह काला कर तस्वीरें वहीं लगाई जाएंगी,उन्होंने चेतावनी दी। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारिका जिले के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीडब्ल्यूडी के पूर्व चीफ इंजीनियर के घर लोकायुक्त का छापा

भोपाल में जेपी मेहरा के घर पहुंची टीम, भ्रष्टाचार के लगे आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • भोपाल में पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) के पूर्व चीफ इंजीनियर जेपी मेहरा के भोपाल स्थित मणिपुरम आवास पर गुरुवार सुबह लोकायुक्त की टीम ने छापा मारा। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के तहत की गई है। जेपी मेहरा पर अपने कार्यकाल के दौरान विभागीय ठेकों और निर्माण कार्यों में गड़बड़ियों के आरोप हैं। इन्हीं आरोपों की जांच करते हुए लोकायुक्त की टीम आज सुबह पुलिस बल के साथ उनके घर पहुंची और तलाशी शुरू की।

केस और प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज मिले

जानकारी के अनुसार, छापे के दौरान लोकायुक्त की टीम को बड़ी संख्या में केस और प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। इनमें मुंबई में खरीदी गई संपत्ति से जुड़े प्रमाण भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह छापा गोपनीय सूचना के आधार पर मारा गया है। मेहरा इसी साल फरवरी में रिटायर हुए थे। फिलहाल मणिपुरम स्थित उनके आवास में लोकायुक्त की कार्रवाई जारी है।

व्हिस्परिंग पॉम्स में अवैध निर्माण का मामला कोर्ट पहुंचा

पूर्व सीएस एसआर मोहंती और राधेश्याम जुलानिया को नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भोपाल की वीवीआईपी कॉलोनी व्हिस्परिंग पॉम्स में अवैध निर्माण का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। पूर्व सीएस, बड़े अफसरों और बड़े व्यापारियों की इस कॉलोनी में कई तरह की अनियमतताएं बरतने के आरोप हैं। इतना ही नहीं भोपाल विकास योजना 2005 के खुलेआम उल्लंघन और कलियासोत बांध के जलग्रहण क्षेत्र में अनुमत सीमा से कई गुना अधिक निर्माण होने का आरोप भी लगाया गया है।

महेश सिंह परिहार और राज बहादुर प्रसाद ने जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। जिसमें Bhopal Development Plan 2005 के खुले उल्लंघन और कलियासोत बांध के जलग्रहण क्षेत्र में अनुमत सीमा से कई गुना अधिक निर्माण होने का आरोप है।

बता दें कि कोर्ट ने मामले को सुनवाई योग्य मानते हुए नोटिस जारी कर दिए हैं। इस केस की सुनवाई 24 नवंबर को होगी। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के मामले में कोर्ट की सख्ती को देखते हुए यह चर्चा तेज हो गई है कि व्हिस्परिंग पॉम्स पर भी बुलडोजर चल सकता है। हालांकि, फैसला आने में समय लग सकता है। याचिकाकर्ताओं के एडवोकेट हर्षवर्धन तिवारी और एडवोकेट राहुल दिवाकर ने बताया कि हाईकोर्ट से व्हिस्परिंग पाम्स भोपाल में अवैध निर्माण रोकने, विस्तृत सर्वे कराए जाने और

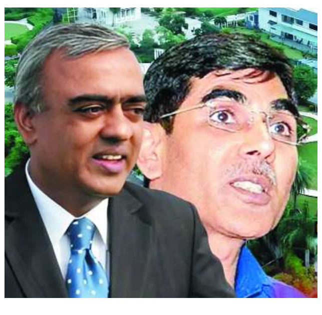

नियमों का उल्लंघन करने वाले ढांचों को ध्वस्त करने की मांग की गई है। बता दें कि कॉलोनी को कम घनत्व वाले आवासीय क्षेत्र के रूप में स्वीकृत किया गया था, लेकिन यहां एक अवैध शॉपिंग सेंटर समेत भारी निर्माण किया गया और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति की अवधि भी खत्म हो चुकी है।

नियमों को धता बताती- व्हिस्परिंग पाल्म्स कॉलोनी-अतिविशिष्ट कॉलोनियों में शुमार व्हिस्परिंग पाल्म्स कॉलोनी निर्माण भोपाल के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र, कलियासोत बांध के जलग्रहण क्षेत्र के पास हुआ है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि डेवलपर्स और निवासियों ने शहर के विकास के लिए बनाए गए महत्वपूर्ण नियमों को जमकर तोड़ा है। इससे पर्यावरण और आसपास के निवासियों के लिए खतरा पैदा हो गया है। याचिका में सबसे बड़ा आरोप यह है कि व्हिस्परिंग पाल्म्स में नियमों का घोर उल्लंघन किया गया है। जहां विकास योजना के अनुसार भूखंड के केवल 6% हिस्से पर निर्माण की अनुमति थी, वहीं याचिका के अनुसार, कुछ निवासियों और डेवलपर्स ने भूखंडों के 50% से अधिक हिस्से पर निर्माण कर लिया है। यह एप्रूव्ड सीमा से आठ गुना अधिक है, जो एक मामूली चूक नहीं, बल्कि नियमों का एक बड़ा उल्लंघन है।

5 प्वाइंट में समझें पूरा मामला...

- महेश सिंह परिहार और राज बहादुर प्रसाद ने जबलपुर हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है।
- वे भोपाल की व्हिस्परिंग पॉम्स कॉलोनी में हो रहे कथित अवैध निर्माण को चुनौती दे रहे हैं।
- आरोप है कि भोपाल विकास योजना 2005 और नियमों का उल्लंघन कर अनुमत सीमा से आठ गुना अधिक निर्माण किया गया है।
- यह VVIP कालोनी भोपाल के कलियासोत डैम के कैचमेंट एरिया के पास है, जिसमें कई अफसरों और व्यापारियों की कोठियां हैं।
- कॉलोनी को कम घनत्व आवासीय क्षेत्र के लिए स्वीकृत किया गया था, लेकिन यहां भारी निर्माण और अवैध शॉपिंग सेंटर बनाया गया, जबकि अनुमति की अवधि भी खत्म हो चुकी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी.कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।